CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-283
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 17 जनवरी 2025

आज का विचार

हर मुश्किल अपने साथ एक नया अवसर लेकर आती है।

2002 के गोधरा कांड मामले पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई 13 फरवरी को होगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड मामले में गुजरात सरकार और कई अन्य दोषियों की तरफ से दायर अपीलों पर 13 फरवरी को सुनवाई करेगा। वहीं इस मामले में जस्टिस जेके माहेश्वरी और अरविंद कुमार की पीठ ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई की तारीख पर मामले में कोई स्थगन नहीं दिया जाएगा। बता दें कि, 27 फरवरी, 2002 को गुजरात के गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 कोच में आग लगने से 59 लोग मारे गए थे, जिसके बाद राज्य में दंगे भड़क गए थे।दरअसल, गुजरात उच्च न्यायालय के अक्तूबर 2017 के फैसले को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में कई अपीलें दायर की गई हैं, जिसमें कई दोषियों की दोषसिद्धि को बरकरार रखा गया था और 11 लोगों की मौत की सजा को आजीवन

कारावास में बदल दिया गया था। गुजरात सरकार ने फरवरी 2023 में शीर्ष अदालत से कहा था कि वह उन 11 दोषियों के लिए मृत्युदंड की मांग करेगी, जिनकी सजा को उच्च न्यायालय ने आजीवन कारावास में बदल दिया था। गुरुवार को जब मामले की सुनवाई हुई तो एक दोषी की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि कोई सबूत रिकॉर्ड में नहीं रखा गया है। इस पर न्यायमूर्ति माहेश्वरी ने कहा, हमें नहीं पता। हम मामले की सुनवाई करेंगे और हमने पहले भी यह स्पष्ट किया था। हम इस मामले को स्थगित नहीं करेंगे। इस मामले को कम से कम पांच बार स्थगित किया जा चुका है।

आखिर कर दिखाया- इसरो ने अंतरिक्ष में जोड़ दिए दो सैटेलाइट, ऐसा करने वाला चौथा देश बना भारत

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को एक बार फिर से इतिहास रच दिया। इसरो ने स्पेडेक्स (स्पेस डॉकिंग एक्सरसाइज) मिशन के तहत दो सैटेलाइट को सफलतापूर्वक डॉक करने की प्रक्रिया पूरी कर ली। अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बन गया है। इसरो ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत ने अंतरिक्ष इतिहास में अपना नाम दर्ज कर लिया है। सुप्रभात भारत, इसरो के स्पेडेक्स मिशन ने 'डॉकिंग' में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। इस क्षण का गवाह बनकर गर्व महसूस हो रहा है। इसरो ने कहा कि 'डॉकिंग' के बाद एक वस्तु के रूप में दो सैटेलाइट पर नियंत्रण स्थापित करने की प्रक्रिया भी सफल रही। आने वाले दिनों में 'अनडॉकिंग' और 'पावर ट्रांसफर' का परीक्षण किया जाएगा। इससे पहले इसरो ने दो बार डॉकिंग का प्रयास किया था, लेकिन तकनीकी समस्याओं के कारण 7 और 9 जनवरी को यह संभव नहीं हो सका। 12 जनवरी को इसरो ने सैटेलाइट को 15 मीटर और 3 मीटर की दूरी तक लाने में सफलता हासिल की थी। अंतरिक्ष में इसलिए होती है डॉकिंग की जरूरत इसरो के अनुसार, जब अंतरिक्ष में कई ऑब्जेक्ट होते हैं और जिन्हें किसी खास उद्देश्य के लिए एक साथ लाने की जरूरत होती है तो डॉकिंग की आवश्यकता होती है। डॉकिंग वह प्रक्रिया है जिसके मदद से दो अंतरिक्ष ऑब्जेक्ट एक साथ आते हैं और जुड़ते हैं। यह विभिन्न तरीकों का उपयोग करके किया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर चालक दल के मॉड्यूल स्टेशन पर डॉक करते हैं, दबाव को बराबर करते हैं और लोगों को स्थानांतरित करते हैं। जब दोनों यान तेज रफ्तार से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे होंगे तो चेजर टारगेट का पीछा करेगा और दोनों तेजी से एक दूसरे के साथ डॉक करेंगे। अंतरिक्ष में डॉकिंग प्रौद्योगिकी की तब जरूरत होती है

मेटा को भारत से वापस लेने पड़ सकते हैं कुछ फीचर, 85 करोड़ यूजर होंगे प्रभावित

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के वाट्सएप मैसेजिंग सर्विसेज के उपयोगकर्ताओं का डेटा विज्ञापन उद्देश्य के लिए मेटा से साझा करने पर रोक वाले आदेश के बाद अमेरिकी कंपनी को भारत से कुछ फीचर हटाने पड़ सकते हैं। इससे कंपनी के कारोबार को भी झटका लगेगा। मेटा ने आयोग के पिछले साल नवंबर में आए आदेश पर रोक लगाने के लिए अपील न्यायाधिकरण का रुख किया है। अमेरिकी कंपनी ने 2,000 पन्नों के आवेदन में भारत में अपने कुछ फीचर हटाने की बात रखी है। अपीलीय न्यायाधिकरण बृहस्पतिवार को मेटा की अपील पर सुनवाई करेगा। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने पाया कि कंपनी ने अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग किया और वा ट्सएप उपयोगकर्ताओं को 2021 की गोपनीयता नीति को स्वीकार करने के लिए मजबूर किया। मेटा ने

इससे उपयोगकर्ता डेटा संग्रह और साझाकरण का विस्तार किया और उसे प्रतिद्वंद्वियों पर अनुचित लाभ मिला। आयोग ने 211.65 करोड़ रुपये (2.45 करोड़ डॉलर) का जुर्माना और भारत में डेटा साझा करने की प्रथा पर पांच वर्ष का प्रतिबंध लगाया है।

नाथन एंडरसन का चौंकाने वाला फैसला

अडाणी पर रिपोर्ट पेश करने वाली हिंडनबर्ग रिसर्च कंपनी बंद

नई दिल्ली। हिंडनबर्ग रिसर्च के फाउंडर नाथन एंडरसन ने अपनी कंपनी को बंद करने का फैसला लिया है। यह फर्म फाइनेंस और अकाउंटिंग की दुनिया में काम करने वाली थी। अपने मकसद को पूरा करने के लिए एंडरसन ने 2017 में इस फर्म की शुरुआत की थी। इस फर्म ने भारत के उद्योगपति गौतम अडानी और शेयर मार्केट को रेगुलेट करने वाली संस्था सेबी पर अपनी रिपोर्ट पेश की थी, जो काफी चर्चा का विषय बनी रही। ऐसे ही इस कंपनी ने अलग-अलग देशों में कई बड़े खुलासे किए थे। हिंडनबर्ग रिसर्च के फाउंडर नाथन एंडरसन ने गुरुवार को इस कंपनी बंद करने का ऐलान किया है, जो बेहद चौंकाने वाला फैसला है। नाथन एंडरसन ने हिंडनबर्ग रिसर्च फर्म को बंद करने और अपने सफर को लेकर पूरी कहानी शेयर की है। नाथन एंडरसन ने अपने नोट में कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च को बंद करने का फैसला काफी सोच-समझकर लिया गया है। उनका कहना है कि कंपनी की शुरुआत जिस मकसद को लेकर की गई थी, उसे पूरा होने के बाद इसे बंद कर दिया जाएगा।

एंडरसन बोले- यह बेहद निजी फैसला एंडरसन ने हिंडनबर्ग रिसर्च फर्म को बंद करने के फैसले के बारे में स्पष्ट किया कि यह बेहद निजी फैसला है। कोई एक खास बात नहीं है- कोई विशेष खतरा नहीं, कोई हेल्थ इश्यू नहीं और कोई बड़ा व्यक्तिगत मुद्दा नहीं। मैंने इस बारे में पिछले साल के अंत से ही अपने परिवार, दोस्तों और टीम को बताया था। योजना थी कि हम जिन विचारों पर काम कर रहे थे, उनके पूरे होते ही हिंडनबर्ग रिसर्च बंद कर दिया जाएगा और वह दिन आज आ गया।

मैं यह सब खुशी से कर रहा हूं नाथन एंडरसन ने कहा कि मैं यह सब खुशी से कर रहा हूं और इसे बनाना मेरे जीवन का सपना रहा है। उन्होंने अपनी नोट में आगे लिखा- मुझे शुरू में नहीं पता था कि क्या कोई संतोषजनक रास्ता खोजना संभव होगा। यह कोई आसान विकल्प नहीं था, लेकिन मैं खतरे के प्रति अनजान था और इसकी ओर आकर्षित हुआ। उन्होंने कहा कि जब यह काम मैंने शुरू किया तो मुझे संदेह था कि मैं इसमें सक्षम हूं। मेरे पास फैमिली फाइनेंशियल सपोर्ट नहीं था। मेरा कोई रिश्तेदार भी इस क्षेत्र से नहीं रहा। मैं एक सरकारी स्कूल टीचर था, कोई सेलर नहीं हूं। मुझे पहनने के लिए सही कपड़ों के बारे में नहीं पता। मैं गोल्फ नहीं खेल सकता। मैं कोई सुपरह्यूमन नहीं हूं, जो 4 घंटे की नींद लेकर काम कर सकता है। अपनी ज्यादातर नौकरियों में अच्छा कर्मचारी रहा हूं, लेकिन ज्यादातर अनदेखा किया जाता था। जब मैंने शुरुआत की थी, तब मेरे पास पैसे नहीं थे और गेट से बाहर निकलते ही 3 मुकदमे झेलने के बाद, मेरे पास जल्द ही पैसे नहीं बचे।

ब्रायन वुड का समर्थन नहीं मिलता तो असफल हो जातानाथन एंडरसन ने कहा कि अगर मुझे विश्व स्तरीय व्हिसलब्लोअर वकील ब्रायन वुड का समर्थन न मिलता, जिन्होंने मेरे वित्तीय संसाधनों की कमी के बावजूद मामलों को संभाला, तो मैं शुरुआती लाइन पर ही असफल हो जाता। मेरा एक नवजात बच्चा था और उस समय मुझे बेदखल किया जा रहा था। मैं डरा हुआ था, लेकिन जानता था कि अगर मैं स्थिर रहा तो मैं टूट जाऊंगा। मेरे पास एकमात्र विकल्प आगे बढ़ते रहना था। निगेटिव थिंकिंग के आगे झुकना और दूसरों की सोच पर विश्वास करना बहुत आसान है, खासकर तब जब चीजें निराशाजनक लगती हैं। लेकिन यह सब तोड़ना संभव है। मैं इसके बारे में भावुक था और मैंने अपने डर और असुरक्षाओं के बावजूद इसे आगे बढ़ने दिया।

धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और निगेटिविटी अकसर भारी लगती है नाथन एंडरसन ने कहा कि एक-एक करके, और बिना किसी क्लियर प्लानिंग के हमने 11 लोगों की एक टीम बनाई। मैंने उनमें से प्रत्येक को इसलिए काम पर नहीं रखा, क्योंकि हमें कर्मचारियों की जरूरत थी, बल्कि इसलिए क्योंकि जब हमारे रास्ते मिले और मैंने देखा कि वे कौन हैं, तो मुझे एहसास हुआ कि उन्हें काम पर न रखना पागलपन था। वे सभी स्मार्ट, केंद्रित और काम करने में मजेदार हैं। अहंकार बिलकुल नहीं है। जब आप उनसे मिलते हैं, तो वे सभी बहुत अच्छे और विनम्र होते हैं, लेकिन जब इस क्षेत्र की बात आती है, तो वे एक हार्डवर्कर और जूनूनी होते हैं, जो विश्व स्तरीय काम करने में सक्षम होते हैं। मेरी तरह हमारी टीम पारंपरिक पैसों से समृद्ध फैमिली से नहीं आई थी। मेरा पहला कर्मचारी अकसर खुद को एक पूर्व बारटेंडर के रूप में बताता है। हम सभी का दुनिया के बारे में एक समान नजरिया है, वे सभी मेरे लिए परिवार हैं। हम सभी ने बहुत मेहनत की है, सटीकता पर फोकस किया है तथा फैक्ट्स के आधार पर अपने शब्दों को व्यक्त किया है। कभी-कभी इसका मतलब होता है बड़े झटके लेना और ऐसी लड़ाइयां लड़ना, जो हम में से किसी भी व्यक्ति से कहीं ज्यादा बड़ी हैं। धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और निगेटिविटी अकसर भारी लगती है। शुरू में न्याय की भावना आमतौर पर मायावी थी। जब ऐसा हुआ, तो यह बेहद संतोषजनक था. जब हमें इसकी जरूरत थी, तो इसने हमें आगे बढ़ने में मदद की।

रीजनल इंडस्ट्रीयल कॉन्क्लेव- 32500 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिलें

सीएम मोहन यादव ने किया 30 उद्योगों का शिलान्यास व लोकार्पण

शहडोल। मध्यप्रदेश के विंध्य क्षेत्र के शहडोल में आयोजित रीजनल इंडस्ट्रीयल कॉन्क्लेव में गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सिंगल क्लिक के माध्यम से 30 औद्योगिक इकाइयों का शिलान्यास व लोकार्पण किया। इन इकाइयों में 572 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश प्रस्तावित है, जिससे लगभग 2600 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके अलावा सीएम मोहन यादव ने औद्योगिक क्षेत्र गोहपारू का शिलान्यास एवं उप तहसील टप्पा में राजस्व कार्यालय भवन का लोकार्पण करने के साथ 'इन्वेस्ट शहडोल' पुस्तिका का विमोचन कर बधाई व शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के बाद बताया गया कि 7वें रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में लगभग 32,500 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। वहीं इससे 30,000 से ज्यादा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शहडोल में आयोजित रीजनल इंडस्ट्रीयल

कॉन्क्लेव के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में शिलान्यास व लोकार्पित की गईं औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों व उद्यमियों से संवाद कर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। अवसर पर प्रदेश में 102 इकाइयों को 401 एकड़ भूमि आवंटन के आशय पत्र प्रदान किए। इन इकाइयों में कुल 3,560 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है, जिसमें 9500 से अधिक रोजगार सृजित होंगे। सीएम ने कहा कि हमारे उद्योगपति भारत को पुनः सोने की चिड़िया के रूप में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पेपर उद्योग में संभावित निवेश और नवाचार को लेकर ओरिएंट पेपर मिल के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर डॉ. सी. एस. काशीकर से वन-टू-वन मीट की। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश में इन्वेस्टमेंट की पॉलिसी बेहतर है। हम हर सेक्टर में उद्योग स्थापित करने पर सब्सिडी दे रहे हैं।

मप्र की जीडीपी को दोगुना करने का लक्ष्य सीएम मोहन यादव ने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में, हम मध्यप्रदेश की जीडीपी को दोगुना करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। कॉन्क्लेव के दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से खेल के क्षेत्र में योगदान को लेकर क्रिकेटर पूजा वस्त्रकार ने चर्चा की। श्री बजरंग पॉवर एण्ड इस्पात लि.रायपुर के एमडी नरेंद्र गोयल ने कहा कि हम सब सौभाग्यशाली हैं कि मध्यप्रदेश को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के रूप में ऐसे मुख्यमंत्री मिले, जो उद्योग की घर-घर गंगा ला रहे हैं। मुख्यमंत्री औद्योगिक विकास के लिए उद्योगपतियों की पूरी मदद और उन्हें प्रोत्साहित कर रहे हैं।

मप्र की की खनिज नीति बहुत प्रोग्रेसिव रमणीक पावर बालाघाट के एमडी हर्ष त्रिवेदी ने कहा कि हमारी इंडस्ट्री मिनरल बेस्ड है और हमें बहुत गर्व है कि मध्यप्रदेश की खनिज नीति बहुत ही प्रोग्रेसिव है, खनिज ब्लॉकों की नीलामी में हमारा प्रदेश नंबर वन है, खदानों का पूरा डाटा ऑनलाइन है और नीतियां व प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है। इन्हीं कारणों से हमने अपना निवेश बढ़ाकर अतिरिक्त 500 करोड़ तक ले जाने का निर्णय लिया है। उन्होंने आगे कहा कि एक समय हमने मध्यप्रदेश में 50 करोड़ का निवेश किया था जो आज बढ़कर लगभग 350 करोड़ हो गया है, यह सब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व और मध्यप्रदेश सरकार की नीतियों के कारण संभव हो पाया है।

अफवाहों और कयासों का बाजार बंद

आम बजट से पहले केंद्रीय कर्मचारियों को केंद्र सरकार की तरफ से सबसे बड़ा तोहफा, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दी आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी

नई दिल्ली। आम बजट से पहले केंद्रीय कर्मचारियों को केंद्र सरकार की तरफ से सबसे बड़ा तोहफा मिला है। गुरुवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। 7वें वेतन आयोग का कार्यकाल 2026 तक रहेगा, लेकिन, उसके बाद 8वें वेतन आयोग का गठन होगा। केंद्रीय कर्मचारियों की यह डिमांड ऐसे वक्त में पूरी की गई है, जब बार-बार आशंका जताई जा रही थी कि 8वां वेतन आयोग नहीं आएगा। पहले से ही यह माना जा रहा था कि 7वें वेतन आयोग की मियाद खत्म होने पर ही 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दी जाएगी। नए वेतन आयोग का गठन होगा और सैलरी रिविजन भी किया जाएगा। हालांकि, यह कब तक लागू होगा इसकी कोई डेडलाइन नहीं है। लेबर यूनियन की तरफ से लगातार बढ़ते दबाव के चलते सरकार ने उन्हें खुश कर दिया है। सूत्रों की मानें अगर 8वां वेतन आयोग आता है तो सैलरी में सबसे बड़ा इजाफा होगा। इतना जरूर कहा जा सकता है कि बात आगे बढ़ रही है। सूत्र यह भी बताते हैं कि अभी नए वेतन आयोग में क्या आएगा और क्या नहीं यह कहना जल्दबाजी है। क्योंकि, इसकी पूरी जिम्मेदारी पे कमीशन के अध्यक्ष की होगी। साल 2026 में नए पे कमीशन के अध्यक्ष का भी ऐलान हो सकता है। उनकी देखरेख में ही कमेटी का गठन होगा और उसके बाद किस फॉर्मूले से सैलरी में इजाफा किया जाए इसकी तस्वीर साफ हो सकती है।

लंबे समय से हो रही थी मांग केंद्रीय कर्मचारियों के संगठनों ने कैबिनेट सचिव से मिलकर 8वें वेतन आयोग का गठन करने की मांग की थी और लगातार ये संगठन सरकार के सामने 8वें वेतन

आयोग के गठन का दबाव बना रहे थे। पिछले एक साल में कई बार कर्मचारी यूनियन केंद्र सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग कर चुके हैं। पिछले बजट के बाद जब वित्त सचिव टीवी सोमनाथन से इस बारे में सवाल किया गया था तो उन्होंने कहा था कि अभी इस काम के लिए हमारे पास पर्याप्त समय है।

कब होगा आयोग का गठन केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 8वें वेतन आयोग को लागू करने के लिए जल्द ही एक अध्यक्ष और दो सदस्यों की नियुक्ति की जाएगी। इस आयोग का उद्देश्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभनर्स के वेतन और पेंशन को फिर से निर्धारित करना होगा। यानी, केंद्रीय कर्मचारियों का सैलरी स्ट्रक्टर और पेंशनर्स की पेंशन भी यह आयोग तय करेगा। साल 2026 में केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी और पेंशन बढ़ जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस फैसले को मंजूरी दी गई। यह कदम 7वें वेतन आयोग की समाप्ति से पहले उठाया गया है, जिसका कार्यकाल 2026 में समाप्त होगा।

51,480 रुपए हो सकती है बेसिक सैलरी एक्सपर्ट्स के मुताबिक 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होने पर केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी में जबरदस्त उछाल आने की उम्मीद है। 7वें वेतन आयोग के मुकाबले 8वें वेतन आयोग में कई बदलाव संभव हैं। फिटमेंट फैक्टर को लेकर भी कुछ बदलाव हो सकते हैं। फिटमेंट फैक्टर कम से कम 2.86 तय किया जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो फिर कर्मचारियों की न्यूनतम बेसिक सैलरी में भी इसी हिसाब से बढ़ोतरी देखने को मिलेगी और यह 51,480 रुपए हो सकती है। गौरतलब है कि फिलहाल मिनिमम बेसिक सैलरी 18000 रुपए है। इसके साथ ही इसी हिसाब से पेंशनर्स को भी लाभ मिलेगा और उनकी मिनिमम पेंशन फिलहाल के 9000 रुपए से बढ़कर 25,740 रुपये हो सकती है।

डिफेंस कर्मचारियों की भी बढ़ेगी सैलरी करीब 50 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारी, जिनमें डिफेंस कर्मचारी शामिल हैं।

एमओजी लाइन क्षेत्र में सरकारी जमीन से 35 से ज्यादा कब्जे हटाए

इंदौर। इंदौर में नगर निगम की टीम ने गुरुवार सुबह कार्रवाई करते हुए सरकारी जमीन से अवैध निर्माण हटाए। एमओजी लाइन में स्मार्ट सिटी के तहत निर्माण होना है। पूर्व में भी यहां से पचास से ज्यादा निर्माण हटाए जा चुके हैं। दुकानदारों का कहना था कि वे वर्षों से यहां व्यापार कर रहे हैं। अब रोजी रोटी का संकट हो जाएगा। अफसरों ने कहा कि सालभर में कई बार नोटिस दिए जा चुके हैं। स्वेच्छा से कब्जे नहीं हटे, इसलिए हमें हटाना पड़ रहे हैं। कुछ दुकानदारों ने पट्टे भी दिखाए, जिसे अफसरों ने मान्य नहीं किया। उनका कहना था कि कब्जे सड़क की चौड़ाई में बाधक बने हुए हैं। कुछ दुकानदारों की अफसरों से बहस भी हुई, लेकिन पर्याप्त पुलिस बल मौजूद होने के कारण कब्जे हटाने में अफसरों को रुकावट नहीं आई।

गैरेज मालिकों ने कर रखा था अतिक्रमण गुरुवार को टीम एमओजी लाइन स्थित स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट को आवंटित सरकारी जमीन पर पहुंची। गंगवाल बस स्टैंड से महू नाका चौराहा के बीच 35 से अधिक कच्चे-पक्के गैरेज मालिकों ने अतिक्रमण कर रखा था। इन सभी को जेसीबी की मदद से हटाया गया। 30 से ज्यादा श्रमिक और दो जेसीबी की मदद से दो घंटे में अवैध निर्माण जमींदोज किए गए।इस मार्ग के आसपास कुछ अन्य भी अतिक्रमण है, जिन्हें अगले माह फिर हटाया जाएगा। इस सड़क को नगर निगम चौड़ा भी कर रहा है, जबकि इंदौर विकास प्राधिकरण ने यहां छह लेन ब्रिज बनाने की योजना भी बनाई है। जंजीरवाला मार्ग पर लगेंगे निशान जंजीरवाला मार्ग पर अवैध शेड हटाए जाने का विधायक महेंद्र हार्डिया ने विरोध किया था। अब वहां नगर निगम पीली लाइन के निशान लगाएगा, ताकि पर्याप्त समय में दुकानदार अवैध निर्माण हटा ले। विधायक हार्डिया ने अफसरों को फोन लगाकर कहा था कि आप तो निशान लगवा दो, हम फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त करा देंगे। उधर गुरुवार को नगर निगम की टीम ने एयरपोर्ट क्षेत्र से भी एक अवैध होर्डिंग हटाया।

बयान के लिए जीतू यादव को खोज रही पुलिस, इंदौर में नहीं है मौजूद

इंदौर। इंदौर के भाजपा पार्षद कमलेश कालरा के घर पर हुए हमले के मामले पुलिस ने पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक 15 से ज्यादा आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं, लेकिन हमले के मुख्य आरोपी जीतू का चचेरा भाई अवि अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर है। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि कुछ आरोपी जीतू के साथ ही शहर से बाहर है,हालांकि अब तक पुलिस ने यादव को आरोपी नहीं बनाया है, लेकिन इस मामले में पुलिस जीतू को बयान के लिए खोज रही है। आरोपी बनाए जाने के भय से जीतू फिलहाल शहर से गायब है। पुलिस को उसकी मोबाइल लोकेशन पांच दिन पहले कुलकर्णी भट्टा क्षेत्र में ही मिली थी। उसके दोनो मोबाइल भी बंद है।

40 लोगों के खिलाफ दर्ज हुआ है केस पुलिस ने कालरा के घर पर हुए हमले के मामले में 40 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए है। बुधवार रात इस मामले में शैलेंद्र उर्फ पिंटू,विशाल गोस्वामी,गोलू उर्फ अभिजीत,धीरज पिता शिवजीत शिंदे और संतोष को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को पुलिस ने सिहोर के समीप एक ढ़ाबे से गिरफ्तार किया है।

अटैच गाड़ियां हटाई नगर निगम के वर्कशॉप विभाग ने यादव के परिवार के दो वाहनों को हटाया है। यादव इस विभाग का प्रभारी था। उसके रिश्तेदारों की एक पोकलेन और एक जेसीबी अटैच की गई थी। जिसे हटा दिया है। महापौर परिषद सदस्य होने के नाते यादव को मिले वाहन और हर माह मिलने वाले डीजल की सुविधा समाप्त कर दी है।

सीहोर के पास से पकड़े गए 5 आरोपी पार्षद कालरा के घर पर हमला करने वाले पांच और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हैं। एसआईटी अधिकारियों के अनुसार, इन आरोपियों को सीहोर के पास से पकड़ा गया। हालांकि, जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने थाने आकर सरेंडर किया था। इससे पहले भी पुलिस ने उन्हें कोर्ट में सरेंडर करने की प्रक्रिया में पहुंचने की कोशिश की थी। जूनी इंदौर पुलिस ने शैलेन्द्र उर्फ पिंटू (36), विशाल (35), गोलू उर्फ अभिजीत (30), धीरज (35), और संतोष को सिहोर के पास एक ढाबे से पकड़ने का दावा किया। जानकारी के अनुसार, इन आरोपियों ने थाने में आकर सरेंडर किया। एक दिन पहले, बंटी नामक आरोपी भी तुकोगंज थाने में सरेंडर कर चुका था, जिसे एसआईटी टीम ने पकड़ा था। पुलिस ने पार्षद कालरा के घर पर हुए हमले की वीडियो रिकॉर्डिंग के आधार पर आरोपियों की शिनाख्त की थी। अब तक मामले में कुल 15 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस की कार्रवाई जारी है और आरोपियों से पूछताछ की जा रही हैं।

तीसरी मंजिल से गिरी 3 साल की बच्ची की मौत

इंदौर। इंदौर के आजाद नगर में रहने वाली तीन साल की बच्ची की मंगलवार दोपहर घर की तीसरी मंजिल से गिरने के कारण मौत हो गई। गंभीर हालत में बच्ची को एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान आज सुबह 4 बजे उसने दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, मृतक बच्ची कनक की पहचान सरवन मालवीय की बेटी के रूप में हुई है। परिवार के सदस्यों के अनुसार, 14 जनवरी दोपहर 2 बजे कनक खेलते हुए बालकनी के पास पहुंच गई और इसी दौरान वह नीचे गिर गई। हादसे के समय बच्ची की मां कविता बालकनी में कपड़े सूखा रही थीं, और उनकी नजर बच्ची पर नहीं पड़ी, जिसके कारण यह हादसा हुआ। कनक के पिता पेशे से मैकेनिक हैं और परिवार पिछले तीन साल से इंदौर में किराए के मकान में रह रहा था। परिवार में पत्नी, एक छह साल का बेटा कान्हा और कनक के अलावा कोई और सदस्य नहीं है। पिता ने इस हादसे के बाद पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है, शव को एमवाय मॉचुर्री में रखवाया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, हादसे के वक्त कनक के पिता अपने काम पर गए हुए थे, और आसपास के लोगों ने उन्हें घटना की सूचना दी थी। कनक का परिवार यहां किराये से रहता है। वह मूल रूप से आगर जिले के रहने वाले है।

खजराना गणेश मंदिर में तिल चतुर्थी मेला आज से

-सवा लाख तिल-गुड़ के लड्डू भोग के लिए तैयार

इंदौर। इंदौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर में 17 से 19 जनवरी तक चलने वाले परंपरागत तिल चतुर्थी मेले की तैयारियां पूरी हो गई हैं। मेले का शुभारंभ शुक्रवार सुबह 10 बजे कलेक्टर आशीष सिंह और निगमायुक्त शिवम वर्मा की उपस्थिति में ध्वजा पूजन के साथ होगा। श्री सिद्धि विनायक भक्त मंडल ने इस अवसर पर सवा लाख तिल-गुड़ के लड्डुओं का निर्माण किया है। 11 जनवरी से शुरू हुआ लड्डू निर्माण कार्य मंदिर की भोजनशाला में पूरा कर लिया गया है। पुजारी पं. मोहन भट्ट और पं. अशोक भट्ट के सानिध्य में रात्रि 12 बजे इन लड्डुओं को गणेशजी को समर्पित कर दिया गया। मंदिर प्रबंधक गौरीशंकर मिश्र के अनुसार, कार्यक्रम में विशेष अतिथियों द्वारा गणेशजी को स्वर्ण मुकुट और अन्य स्वर्ण आभूषण पहनाए जाएंगे। भोग लगाने के बाद लड्डुओं का वितरण भक्तों में किया जाएगा। भक्तों की सुविधा के लिए महाकाल मंदिर की तर्ज पर दर्शन व्यवस्था की गई है, जिससे उन्हें 30 मिनट से अधिक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। मेले के दौरान 18 जनवरी को गणेशजी को गोंद के लड्डुओं का और 19 जनवरी को उड़द के लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा। क्षेत्रीय विधायक महेन्द्र हार्डिया और पार्षद पुष्पेन्द्र पाटीदार भी कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

फिर चमकी ठंड, पांच डिग्री लुढ़का पारा, ठंडी हवा चली

इंदौर। इंदौर में दिसंबर से ज्यादा ठंड के तीखे तेवर जनवरी में नजर आ रहे हैं। गुरुवार को इंदौर में दिन का तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से चार डिग्री कम रहा। बुधवार को दिन का तापमान 22 डिग्री था, लेकिन एक दिन बाद ही पांच डिग्री तक पारा लुढ़क गया। दिनभर सूर्यदेवता बादलों में छुपे रहे और ठंडी हवा दिनभर परेशान करती रही। रात में बर्फीली हवा से बचने के लिए लोग घरों में दुबके रहे या फिर अलाव का सहारा लिया। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो-तीन दिन तक तापमान इसी तरह बना रहेगा।

दोपहर एक बजे के बाद चली बर्फीली हवा गुरुवार सुबह शहर में बादल छाए हुए थे। सूर्य देवता नदारद थे। दिन में हल्की धूप खिली, लेकिन थोड़ी देर के लिए। एक बजे के बाद शहर बर्फीली हवा के आगोश में समाने लगा और ठंड के तेवर तीखे होते चले गए। शाम को सड़कों पर निकले लोग स्वेटर, कनटोपे और हाथ मौजों से लैस होकर ठंड का सामान करने के लिए निकले।

15 किलोमीटर की रफ्तार से बही हवा मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को दिन का तापमान 22 डिग्री रहा, जो सामान्य से चार डिग्री कम रहा। हवा की गति 15 किलोमीटर प्रति घंटा रही। बुधवार रात का तापमान 16.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से सात डिग्री कम रहा, जबकि बुधवार दिन का तापमान 27 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री ज्यादा था।

शाम को छाया कोहरा गुरुवार शाम को शहर में कोहरा भी छाया रहा। इंदौर के बायपास पर इस कारण वाहनों की रफ्तार कम रही। कोहरे के कारण दृश्यता कम हो गई थी। मौसम विभाग के अनुसार दो दिन तक तापमान कम रहेगा और बर्फीली हवा चलेगी।

आसाराम के बेटे नारायण सांई के खिलाफ फैमेली कोर्ट में सुनवाई 29 को

इंदौर। हाल ही में जमानत पर बाहर आए कथाकार आसाराम के बेटे नारायण साईं की पत्नी ने इंदौर के पारिवारिक न्यायालय में अपने पति से सात साल का बकाया भरण-पोषण राशि मांगने के लिए याचिका दायर की है। जिसकी सुनवाई 29 जनवरी को होना है। फैमिली कोर्ट ने 2018 में नारायण को आदेश दिया था कि वह अपनी पत्नी जानकी हरपलानी को हर महीने पचास हजार रुपये का भरण-पोषण खर्च दें,लेकिन सांई ने राशि नहीं दी। जानकी के वकील का कहना है कि साईं ने पिछले सात सालों से भरण-पोषण का पैसा नहीं दिया। इस कारण अब बकाया राशि 53 लाख रुपये हो चुकी है। फैमिली कोर्ट से मांग की गई है कि पति की चल-अचल संपत्ति को जब्त करके और नीलाम करके तय राशि पत्नी को दी जाए। अब इस याचिका पर अगली सुनवाई 29 जनवरी को होगी। नारायण साईं की पत्नी जानकी ने कहा कि - कोर्ट के आदेश के सात साल बीतने के बाद भी अपने पति से भरण-पोषण की राशि नहीं मिली है। हम आपको बता दे कि बलात्कार के एक मामले में नारायण सांई खुद आजीवन कारावास की सजा मिलने के बाद नारायण साईं गुजरात के सूरत की जेल में बंद है। पिछले साल अक्टूबर माह में कोर्ट ने नारायण को जेल में बंद अपने पिता आसाराम से मिलने के लिए जमानत दी थी। नारायण पर बलात्कार और यौन उत्पीड़न का केस दर्ज है और वे सूरत की जेल में बंद है, जबकि पिता आसाराम रेप के दो मामलों की सजा के बाद जोधपुर जेल में बंद है। हाल ही में आसाराम को 11 साल बाद जमानत मिली है।

मांझे की डोर से छात्र की मौत पर टीआई और दो पुलिसकर्मियों पर अर्थदंड

इंदौर। इंदौर के फूटी कोठी चौराहे पर मंगलवार शाम मांझे की डोर से छात्र की मौत हो गई। इस मामले में बुधवार को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों ने चायना की डोर बयान में नहीं लिखने को लेकर शव को थाने के बाहर रखकर प्रदर्शन किया। छात्र के परिजन ने आरोप लगाया कि टीआई और स्टाफ ने मोबाइल से वीडियो डिलीट कर दिया। इस मामले में डीसीपी ने जांच में लापरवाही करने को लेकर टीआई और दो पुलिसकर्मियों पर अर्थदंड किया है। जोन 4 डीसीपी ऋषिकेश मीणा ने छात्र हिमांशु सोलंकी की मौत को लेकर उसके परिजनों के द्वारा पुलिस पर लगाए वीडियो डिलीट के आरोप के मामले में द्वारकापुरी टीआई आशीष स्प्रे पर 5 हजार का अर्थदंड लगाया है। वहीं एचसीएच प्रताप पटेल और एसआई कमलेश डाबर पर 1-1 हजार रुपए का अर्थदंड किया है। इस मामले की डीसीपी ने पुष्टि की है। हिमांशु की मौत के मामले में उसके परिजन ने थाने के बाहर प्रदर्शन किया था। करीब दो घंटे तक वह पुलिस पर वीडियो डिलीट करने और एफआईआर में चायना डोर लिखने की बात करते हुए हंगामा करते रहे। बाद में एसीपी शिवेन्द्र जोशी और एसडीएम के कहने पर जाम खत्म किया गया। इस दौरान उन्होंने लापरवाह लोगों पर जांच करने की बात कही थी।

नगरीय प्रशासन विभाग के पीएस ने की आईडीए के काम की समीक्षा

इंदौर। मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशासन और विकास विभाग के प्रमुख सचिव संजय शुक्ला ने गुरुवार को इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इंदौर को देश के टॉप 10 शहरों में शामिल करने के लिए ठोस योजना बनानी होगी। संजय शुक्ला ने कहा कि, मध्य प्रदेश की बड़ी संभावना वाला शहर है। यह अर्थव्यवस्था का केंद्र है। बैठक में शहर की अर्थव्यवस्था को आगे और कैसे ले जाया जा सकता है। इस पर भी मंथन हुआ। इसमें रोजगार के नए अवसरों का सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, अस्पताल और परिवहन के क्षेत्रों में संभावित कार्यों पर विचार किया गया। शहर के एबी रोड पर ट्रैफिक नियंत्रण के लिए नए विकल्प तलाशने और विकास के विजन को तैयार करने पर भी जोर दिया। शुक्ला ने कहा कि, आईडीए के माध्यम से किए जाने वाले कार्यों में रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी जाए ताकि शहर की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले।

बैठक में यह विचार-विमर्श हुआ कि इंदौर को कैसे देश के शीर्ष 10 शहरों की सूची में शामिल किया जाए। इस अवसर पर कमिश्नर और आईडीए अध्यक्ष दीपक सिंह, कलेक्टर आशीष सिंह, निगम कमिश्नर शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी सीईओ दिव्यांक सिंह और वास्तुविद हितेंद्र मेहता मौजूद रहे।

नर्मदा लाइन में लीकेज की वजह से आज भी रहेगी पानी की दिक्कत

इंदौर। रालामंडल बायपास पर 1900 मि.मी व्यास की एम.एस.पाइन लाइन में हुए लीकेज के कारण शुक्रवार को भी कई जगह पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी। जल कार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू ने बताया कि, 14 जनवरी को ये लीकेज हुआ था। यह लीकेज उस जगह हुआ, जहां अंडर पास निर्माण का काम चल रहा है। ब्रिज निर्माण के कारण ट्रैफिक का ज्यादा दबाव पाइन लाइन पर था। इस समस्या के समाधान के लिए ट्रैफिक को डायवर्ट करने का निर्णय लिया। इसके लिए वैकल्पिक मार्ग बनाया गया। गुरुवार की सुबह तक यह काम पूरा हुआ। ट्रैफिक को वैकल्पिक मार्ग पर डायवर्ट करने के बाद लीकेज सुधार काम शुरू किया गया। हालांकि यह पाइप लाइन एम.एस (माइल्ड स्टील) की है, इसे सुधार काम के लिए पहले खाली करना जरूरी है। वर्तमान में पाइप लाइन को खाली करने का काम किया जा रहा है। पाइप लाइन को राऊ कोल चौराहे पर स्थित वाल्व के माध्यम से बंद किया गया है। लीकेज सुधार कार्य रामकी कंपनी कर रही है। इस लीकेज के कारण शुक्रवार को कई क्षेत्रों की पानी की टंकियों में आपूर्ति प्रभावित रहेगी। सिलिकॉन सिटी, स्कीम नंबर 140, कृषि नगर, रेडियो कॉलोनी, भूरी टेकरी, मित्र बंधु नगर, सर्व सुविधा नगर, तपेश्वरी, हारून कॉलोनी, खजराना, स्कीम नंबर 134, सांई कृपा, समर पार्क, बिचौली मर्दाना की टंकियों में शुक्रवार को भी आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

एयरपोर्ट रोड पर चलती कार में लगी आग, कुछ देर में गाड़ी हुई खाक

इंदौर। इंदौर के एयरपोर्ट रोड पर गुरुवार रात एक चलती कार में आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड के अनुसार, रात करीब 7. 45 बजे मिडफ्लाइट रेस्टोरेंट के पास चलती कार में आग लगने की खबर मिली। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर रवाना हुई। आग की सूचना पर एरोड्रम थाने के जवान भी पहुंचे और वहां जमा भीड़ को हटाया। पुलिस के मुताबिक, कार में कौन सवार था, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। आग लगने से कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। फायर ब्रिगेड के मुताबिक, कार के बोनट में शॉर्ट सर्किट के कारण धुआं निकला था। इसके बाद पूरी कार में आग पकड़ ली।

15 दिन में निजी कॉलेजों की जांच के एसीएस के निर्देश का नहीं हुआ पालन

भोपाल। मध्यप्रदेश के निजी कॉलेजों में गड़बड़ झाले की शिकायत के बाद उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन ने 23 दिसंबर 2024 को प्रदेश के सभी कलेक्टरों को पत्र लिख कर निर्देश दिए थे कि वे अपने जिलों में संचालित प्राइवेट कॉलेजों का सत्यापन और भौतिक निरीक्षण 15 दिन के भीतर सुनिश्चित करें। लेकिन 22 दिन बीतने के बावजूद न तो किसी कॉलेज का निरीक्षण हुआ और न ही कोई कार्रवाई की जानकारी सामने आई है। दरअसल मध्य प्रदेश के फर्जी नर्सिंग कॉलेजो का खुलासा होने के बाद अब अन्य कॉलेजों के भी मामले सामने आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार प्रदेश के कई निजी कॉलेज एक ही बिल्डिंग में नियमों को ताक पर रखकर कई कोर्स संचालित कर रहे हैं। कॉलेज की शिकायत उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग अनुपम राजन ने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को पत्र लिखकर निर्देशित किया था कि 15 दिन के भीतर सभी निजी कॉलेजों का कमेटी बनाकर भौतिक सत्यापन और जांच करें। लेकिन जानकारी के अनुसार अभी तक किसी भी कलेक्टर ने ऐसी कोई कमेटी नहीं बनाई ना ही निजी कॉलेजों की जांच करवाई गई है।

शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों का भविष्य खतरे प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था में हो रहे फजीर्वाड़े को लेकर एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने राज्य सरकार और प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में सैकड़ों प्राइवेट कॉलेज एक ही बिल्डिंग में नियमों का उल्लंघन करते हुए कई कोर्स चला रहे हैं, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों का भविष्य खतरे में है।परमार ने कहा कि एनएसयूआई द्वारा नर्सिंग कॉलेजों का जो भंडाफोड़ किया उसके बाद भी सरकार जाग नहीं रहीं हैं प्रदेश में नर्सिंग फजीर्वाड़े की तरह ही पैरामेडिकल , फामेर्सी, डीएड, बीएड और पीजीडीएम कॉलेजों में भी बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हो रही हैं। उन्होंने आरोप

लगाया कि यह सब शिक्षा माफियाओं और भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत का नतीजा है।

इन संभागों सबसे ज्यादा फर्जी कॉलेज परमार ने बताया कि ग्वालियर चंबल और भोपाल संभाग में सबसे ज्यादा फर्जी प्राइवेट कॉलेज संचालित हो रहे हैं। ग्वालियर और चंबल संभाग के नर्सिंग कॉलेजों में फर्जी निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर मान्यता दी गई, जो प्रदेश की शिक्षा प्रणाली की साख को नुकसान पहुंचा रही है। परमार ने ग्वालियर और चंबल संभाग के नर्सिंग कॉलेजों की न्यायिक सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के सभी नर्सिंग कॉलेजों की सीबीआई द्वारा दो बार जांच हुई, लेकिन ग्वालियर और चंबल संभाग, जहां सबसे ज्यादा फर्जी नर्सिंग कॉलेज थे, उनकी सीबीआई जांच नहीं हुई। हम सुप्रीम कोर्ट को ग्वालियर और चंबल संभाग के फर्जी नर्सिंग कॉलेजों की वास्तविकता से अवगत कराएंगे और न्यायिक सीबीआई जांच की मांग करेंगे।

सीबीआई जांच की मांग, मुख्य सचिव से मांगा समय परमार ने बताया कि दतिया में पहले मात्र 6 कालेज थे लेकिन सत्र 2020-21 में 25 कालेज हो गए वहीं ग्वालियर में 75 कालेज थे जबकि सत्र 2020-21 में 121 कालेज हो गई थे यहीं स्थित भिंड मुरैना शिवपुरी और शिवपुर की हैं लेकिन इन नर्सिंग कॉलेजों की सीबीआई जांच नहीं हुई। परमार ने बताया कि इस गंभीर विषय पर चर्चा और समाधान के लिए उन्होंने प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन को पत्र लिखकर मुलाकात का समय मांगा है। वे प्रदेश में शिक्षा माफियाओं और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी बात रखने और समाधान के सुझाव देने के लिए तैयार हैं।

ये हैं एनएसयूआई की मांगें

- फर्जी कॉलेजों को तुरंत बंद किया जाए।
- शिक्षा माफियाओं और कालेज संचालकों पर सख्त कार्रवाई की जाए।
- फर्जी कालेजों को मान्यता और संबंद्धता देने वाले अधिकारियों को उनके पदों से हटाया जाए।
- फर्जी कालेजों में अध्यनरत छात्रों की तत्काल फीस वापस करवाएं जाएं ।
-छात्रों की छात्रवृत्ति की जांच करवाएं जाएं ।
-पीजीडीएम कोर्स में फर्जी छात्रवृत्ति के माध्यम से करोड़ो अरबो रुपए कमाने वाले कॉलेजो की गहनता से जांच की जाए एवं उनसे उत्तीर्ण छात्र छात्राओ के रिकॉर्ड खंगाले जाए।

बेटियों के मामले में आईएएस अफसर स्मिता भारद्वाज की जीत

एक्टर नीतीश भारद्वाज को हाईकोर्ट से झटका

भोपाल। जबलपुर हाईकोर्ट ने अभिनेता नीतीश भारद्वाज की आपत्ति को खारिज करते हुए उनकी जुड़वां बेटियों के पासपोर्ट रिन्यू करने का आदेश दिया है। बेटियों के पासपोर्ट 16 जनवरी को एक्सपायर हो रहे थे और उन्हें एक बुक लॉन्च के लिए इंग्लैंड जाना है। पासपोर्ट अधिकारियों ने पिता की आपत्ति के चलते रिन्यूअल रोक दिया था, जिसके बाद बेटियों की मां, कअर स्मिता भारद्वाज ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने कहा कि विदेश यात्रा मौलिक अधिकार है और पासपोर्ट रिन्यूअल के लिए माता-पिता दोनों की सहमति जरूरी नहीं। कोर्ट ने एक हफ्ते के अंदर पासपोर्ट जारी करने का निर्देश दिया है। दरअसल, अभिनेता नीतीश भारद्वाज की जुड़वां बेटियां अपने पासपोर्ट का नवीनीकरण करवाने भोपाल पासपोर्ट कार्यालय गईं। उनके पासपोर्ट 16 जनवरी को एक्सपायर होने वाले थे। लेकिन पासपोर्ट अधिकारियों ने उनके पिता नीतीश भारद्वाज की आपत्ति के कारण नवीनीकरण करने से इनकार कर दिया। भारद्वाज ने कुछ दस्तावेजों पर सवाल उठाए थे। इसके बाद, बेटियों की मां, आईएएस अधिकारी स्मिता भारद्वाज ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की।याचिका में बताया गया कि बेटियों को एक किताब के विमोचन के लिए इंग्लैंड जाना है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में उन्हें सम्मानित भी किया जाना है। लेकिन पासपोर्ट की एक्सपायरी डेट नजदीक होने के कारण उनकी यात्रा खतरे में थी। याचिका में पिता की आपत्ति को चुनौती दी गई थी। मामले की सुनवाई जस्टिस विनय सराफ की अदालत में हुई। नीतीश भारद्वाज ने अदालत में बेटियों के दस्तावेजों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ये दस्तावेज सही नहीं हैं, इसलिए पासपोर्ट का नवीनीकरण नहीं होना चाहिए। जस्टिस सराफ ने कहा कि अगर किसी दस्तावेज पर आपत्ति है तो उसके लिए संबंधित अदालत में, जो कि इस मामले में मुंबई की अदालत है, चुनौती दी जा सकती है। लेकिन पासपोर्ट रिन्यू करवाने के लिए माता-पिता दोनों की सहमति जरूरी नहीं है।

सौरभ शर्मा की नियुक्ति किसके कहने पर हुई?

हेमंत कटारे के आरोपों पर तिलमिलाए पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह

भोपाल। कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे ने पूर्व परिवहन मंत्री भूपेंद्र सिंह पर बड़ा आरोप लगाया है। हेमंत कटारे ने कहा है कि आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा की नियुक्ति तत्कालीन परिवहन मंत्री भूपेंद्र सिंह की नोटशीट पर हुई थी। उन्होंने इससे संबंधित दस्तावेज भी पेश किए हैं। साथ ही हेमंत कटारे ने इस मामले की जांच की मांग की है। हेमंत कटारे के आरोपों पर पूर्व परिवहन मंत्री भूपेंद्र सिंह ने सफाई दी है। साथ ही उन पर कई संगीन आरोप लगाए हैं। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि वह सब कुछ मैनेज होकर आरोप लगा रहे हैं। हेमंत कटारे ने कहा कि तत्कालीन परिवहन मंत्री भूपेंद्र सिंह के निज सहायक ने नोटशीट भेजा था। उसी नोटशीट के आधार पर नियुक्ति मिली है। हेमंत कटारे ने एक और पेपर दिखाए हैं, जिसमें भूपेंद्र सिंह के साइन हैं। विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने कहा है कि भूपेंद्र सिंह के संबंध सौरव शर्मा के साथ थे। उन्होंने पत्र को दिखाते हुए कहा कि यह सीधे शासन को भेजा

गया था तो मंत्री को जानकारी कैसे हुई। इसका मतलब है कि इसमें उनकी रुचि थी। कटारे ने यह भी आरोप लगाया है कि मंत्री के कार्यकाल में चेकपोस्टों का प्रभार एक आरक्षक को दिया गया है। नियम के हिसाब से यह प्रभार परिवहन निरीक्षक के पास होता है। इसकी जांच होनी चाहिए। हेमंत कटारे ने पैसों के लेनदेन के भी आरोप लगाए हैं। साथ ही सारे आरोपों की जांच की मांग की है।

आरोप को भूपेंद्र सिंह ने किया खारिज कटारे के आरोपों पर भूपेंद्र सिंह ने कहा कि मेरे कार्यकाल में सौरभ शर्मा कभी भी मेरे विधानसभा क्षेत्र के चेकपोस्ट पर पदस्थ नहीं रहा। अगर कभी उसकी पोस्टिंग मालथौन चेकपोस्ट पर रही है तो हेमंत कटारे उस आदेश की तारीख बताएं। वह प्रमाणित कर दें तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि मैं उनके खिलाफ मानहानि का केस करूंगा।

मैं भी करूंगा का खुलासा भूपेंद्र सिंह ने कहा कि हेमंत कटारे स्वयं एक महिला पत्रकार के साथ बलात्कार करने के आरोपी रहे हैं, जिसमें एफएसएल जांच में बलात्कार को किस तरह पॉजिटिव से नेगेटिव कराया गया, यह कहानी भी मैं बताउंगा। उन्होंने कहा कि हेमंत कटारे का आईएसबीटी पर पेट्रोलपंप है, भोपाल में अनेक संपत्तियां हैं, यह कहां से आईं यह बताएं।

उन्होंने कहा कि इनके भाई योगेश कटारे पर 35 आपराधिक केस हैं। आईएसबीटी पेट्रोल पंप के पास जो झुग्गी-झोपड़ियां हैं, उनमें इनके भाई योगेश कटारे के संरक्षण में गांजा, अफीम, ब्राउन शुगर बेचने का काम होता हैं, जिसकी जांच के लिए मैं पुलिस को लिख रहा हूं। ये भिंड से चुनाव कैसे जीते यह भी सबको मालूम हैं। इनके भाई भोपाल से अपराधियों को भिंड ले जाकर बूथ कैपचरिंग करके चुनाव जीते हैं। गौरतलब है कि सौरभ शर्मा पहले परिवहन विभाग में कॉन्स्टेबल था। उसके ठिकानों पर छापेमारी के बाद करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ है। इसके बाद से अलग-अलग एजेंसियां जांच कर रही है। साथ ही आरोप प्रत्यारोप का दौर भी चल रहा है।

रील बनाते समय अचानक नहर में गिरी कार, दो युवकों की मौत

भोपाल। भोपाल के कोलार इलाके में चलती कार में रील बनाने के शौक ने दो युवकों की जान ले ली। रील बनाने के दौरा कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। हादसे में दो दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। कोलार पुलिस के मुताबिक कोलार में रहने वाला पलाश गायकवाड़ अपने दोस्त विनित और पीयूष के साथ बुधवार रात कोलार क्षेत्र में कार से घूम रहे थे। इस दौरान तीनों युवक चलती कार में मोबाइल से रील बनाने लगे, तभी इनायतपुर नहर में उनकी कार अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में पलाश और विनित की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीयूष गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवकों के शव बरामद कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भेज दिया। साथ ही घायल पीयूष को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर उसकी हालत खतरे से बाहर है। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि दोनों के शव कार के कांच तोडकर बमुश्किल बाहर निकाले। बताया जाता है कि पुलिस अगर समय से पहुंच जाती तो दोनों की जान बच सकी थी। पुलिस ने बताया कि पीएम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। पीयूष के बयान पूरी तरह से दर्ज नहीं हो सके हैं। सूचना के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। मामले की जांच की जा रही है। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि अगर पुलिस समय पर पहुंच जाती, तो दोनों की जान बच सकती थी। पुलिस का कहना है कि पीयूष के बयान अभी पूरी तरह से दर्ज नहीं हो सके हैं। सूचना के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। मृतक विनीत के जीजा मनीष ने बताया हमें पता चला कि एक्सीडेंट हो गया है। हमने घायलों को रेस्क्यू किया। सुबह घटना स्थल पर जाकर देखा तो पता चला कि पुलिया काफी संकरी है, जबकि सड़क चौड़ी है। इसके अलावा, पुलिया पर बैरिकेडिंग भी नहीं की गई थी। इसी कारण यह हादसा हुआ।

एक और जश्न की तैयारी

उर्दू के मंच पर सराहे जाएंगे हिंदी के गुरु सत्यनारायण सत्तन

भोपाल। स्वच्छता समेत कई रिकॉर्ड अपने नाम रखने वाला शहर इंदौर अब सद्भाव की एक नई दास्तां लिखने की ओर अग्रसर है। आने वाली पहली फरवरी को भोपाल में हिंदी कवियों के सिरमौर सत्य नारायण सत्तन (गुरु) के नाम केंद्रित जश्न मनाया जाने वाला है। सुखद पहलू यह है कि कवि सम्मेलनों की शान कहे जाने वाले इस महान कवि को बड़े एजाज से नवाजने का जिम्मा एक उर्दू मंच ने उठाया है। सत्तन गुरु को समर्पित इस जश्न में देश दुनिया के नामवर शायर अपने बेहतरीन कलाम का नजराना पेश करने वाले हैं।दुनिया में अपनी खास शैली और मजाहिया अंदाज के कारण पहचाने जाने वाले प्रसिद्ध कवि सत्तन गुरु को समर्पित जश्न ए सत्तन का आयोजन किया जा रहा है। सामाजिक समरसता के लिए काम करने वाली संस्था काफिला मुहब्बत ने इस आयोजन की रूपरेखा बनाई है। कार्यक्रम आयोजक इस प्रोग्राम को शहर की गंगा जमुनी तहजीब की माला की महत्वपूर्ण कड़ी करार दे रहे हैं। उनका कहना है कि सत्तन से शहर को दुनियाभर में एक अलग पहचान हासिल है। उनको सम्मान दिया जाना शहर के हर धर्म, मजहब, वर्ग, व्यक्ति और संस्था की जिम्मेदारी है। आयोजक कहते हैं कि गुरु जी को सम्मान दिया जाना इस तरह माना जा रहा है कि शहरवासी खुद ही अपने सिर पर बुजुर्गों की दुआओं का हाथ रखवाने की कोशिश कर रहे हैं। जश्न ए सत्तन में जहां वरिष्ठतम हिंदी कवि सत्तन गुरु अपनी कविताओं से इंदौर की जनता को आशीर्वाद देंगे। वहीं जावेद अख्तर, शकील आजमी, अबरार काशिफ, महशर आफरीदी, शकील जमाली, नदीम शाद, स्वयं श्रीवास्तव, नदीम फर्रूख, नईम फराज, हिमांशी बाबरा, इब्राहिम अली, मणिका दुबे, अहमद निसार, तजदीद साकी, इमरान यूसुफजई आदि अपने कलाम का नजराना पेश करेंगे। नए साल की पहली शाम को इंदौर वासियों ने अपने शहर के बड़े नाम मशहूर शायर मरहूम डॉ राहत इंदौरी की 75वीं सालगिरह का जश्न मनाया है। साहित्य, संस्कृति और शायरी के विभिन्न रंगों से सजे इस जश्न ए राहत को शहर ने आधी रात तक अपनी जोशभरी मौजूदगी से सजाया था।

51 मांगों को लेकर भोपाल समेत सभी जिलों में कर्मचारियों का प्रदर्शन

भोपाल। मध्यप्रदेश में सरकारी कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर गुरुवार को बड़ा आंदोलन किया गया। मध्य प्रदेश अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में कर्मचारियों ने सतपुड़ा भवन के सामने प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा। कर्मचारी गले में पंपलेट लटकाए हुए प्रदर्शन में शामिल हुए और मांगों के पक्ष में जमकर नारेबाजी की। इसके अलावा प्रदेश के सभी जिलों में कलेक्टोरेट में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपे गए। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एमपी द्विवेदी रीवा के प्रदर्शन में शामिल हुए। मोर्चा के भोपाल जिला अध्यक्ष उमाशंकर तिवारी ने कहा कि मोर्चा ने लगभग सभी संवर्ग के कर्मचारियों की मांगों को शामिल किया है, जिनके लिए कर्मचारी सड़क पर उतर आए हैं। ये सरकार को आगाह करने का प्रदर्शन है। इसके बाद भी सरकार ने मांगों को लेकर निर्णय नहीं लिया, तो निर्णायक आंदोलन किया जाएगा। मोर्चा के जिला संयोजक जितेंद्र शाक्य ने कहा कि लंबे समय बाद कर्मचारी अपने हक के लिए सड़क पर उतरने को तैयार है। सरकार को कई बार ज्ञापन दिए गए। एक बार और ज्ञापन दिए जा रहे हैं। अब भी सकारात्मक परिणाम नहीं आया, तो निर्णायक आंदोलन होगा।आंदोलन में शिक्षक, पटवारी, वन कर्मी, संविदा कर्मचारी, लिपिक, भृत्य सहित प्रत्येक संवर्ग के कर्मचारी शामिल हुए। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम मध्य प्रदेश और कई अन्य कर्मचारी संगठनों ने भी इस आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। आंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए सभी संभागों के लिए प्रभारी नियुक्त किए गए हैं, जो 2 फरवरी को अपने-अपने संभाग मुख्यालय पर मीडिया से चर्चा करेंगे और आंदोलन की आवश्यकता को स्पष्ट करेंगे। इस दौरान संभाग के सभी जिला अध्यक्ष भी मौजूद रहेंगे।

हर्षा रिछारिया के लिए घर वाले ढूंढ रहे दूल्हा, ट्रोल होने से परिवार परेशान

भोपाल। महाकुंभ 2025 में महामंडलेश्वर कैलाशानंदगिरि जी महाराज की शिष्या हर्षा रिछारिया छा गई है। अखाड़े की पेशवाई में रथ पर बैठी हर्षा रिछारिया को साध्वी बताया जा रहा था। बाद में उसने खुद ही आकर कहा कि मैं साध्वी नहीं हूं। हर्षा रिछारिया ने अभी दीक्षा नहीं ली है। वहीं, उसके माता-पिता भोपाल में रहते हैं। हर्षा मूल रूप से झांसी की रहने वाली है। पिता उज्जैन में कुंभ देखने आए थे। इसके बाद हर्षा का पूरा परिवार भोपाल में बस गया। माता-पिता ने एक इंटरव्यू में बताया है कि वह अध्यात्म की तरफ गई है लेकिन हम उसकी शादी के लिए लड़का देख रहे हैं। एक दो साल में उसकी शादी हो जाएगी। हर्षा के पिता दिनेश रिछारिया ने कहा कि बेटी के साथ साध्वी का जो टैग लगाया गया है, उससे मुझे दिक्कत है। मैं खुश हूं कि मेरे बच्चे ईश्वर की भक्ति में लीन हैं। पिता दिनेश रिछारिया ने बताया कि पांचवीं तक की पढ़ाई उसकी झांसी में हुई है। इसके बाद हमलोग भोपल आ गए। भोपाल से उसने बीबीए किया है। साथ ही एंकरिंग का कोर्स किया है। इसके बाद वह एंकरिंग करने लगी।

पिता करते थे कंडक्टरी दिनेश रिछारिया पहसे बस में कंडक्टर थे। वह झांसी से

खजुराहो तक आने वाली बस में कंडक्टर थे। इसके बाद 2004 में उज्जैन कुंभ देखने आए तो भोपाल में आकर बस गए। पिता ने बताया कि वह पढ़ाई लिखाई में अच्छी रही है। उसने मेहनत से मुकाम हासिल की है। पिता दिनेश रिछारिया ने बताया कि वह तीन साल पहले केदारनाथ गई थी। वहीं जाने के बाद उसका झुकाव अध्यात्म की तरफ बढ़ा। वह रंग बिरंगी दुनिया को छोड़कर अध्यात्म की तरफ जाने लगी। दो साल से वह ऋषिकेश में रह रही है। साथ ही लोगों की सेवा के लिए उसने एनजीओ भी बनाया था। उसने काफी संघर्ष किया है। मैं प्राइवेट नौकरी वाला हूं।

हमलोग शादी के लिए लड़का देख रहे वहीं, दिनेश रिछारिया ने कहा कि हम बेटी की शादी के लिए लड़का देख रहे हैं।

संपादकीय

क्या मार्क जुकरबर्ग गलती अनजाने में हुई है?

मार्क जुकरबर्ग ने भारत को लेकर जो टिप्पणी की थी, उसके लिए 'मेटा' ने माफी मांग ली है। पहले केंद्रीय मंत्री निशिकांत दुबे ने कहा था कि संसद की संचार और सूचना प्रौद्योगिकी स्थाई समिति ने इस मामले में मेटा को तलब करेगी। लेकिन मेटा ने अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगी है। मेटा की इस माफी को लेकर निशिकांत दुबे का कहना है कि यह जीत भारत के आम नागरिकों की है। नरेंद्र मोदी को जनता ने तीसरी बार प्रधानमंत्री बना कर दुनिया के सामने देश के सबसे मजबूत नेतृत्व से परिचय करवाया है।

मार्क जुकरबर्ग ने भारत को लेकर जो टिप्पणी की थी, उसके लिए 'मेटा' ने माफी मांग ली है। पहले केंद्रीय मंत्री निशिकांत दुबे ने कहा था कि संसद की संचार और सूचना प्रौद्योगिकी स्थाई समिति ने इस मामले में मेटा को तलब करेगी। लेकिन मेटा ने अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगी है। मेटा की इस माफी को लेकर निशिकांत दुबे का कहना है कि यह जीत भारत के आम नागरिकों की है। नरेंद्र मोदी को जनता ने तीसरी बार प्रधानमंत्री बना कर दुनिया के सामने देश के सबसे मजबूत नेतृत्व से परिचय करवाया है। अब इस मुद्दे पर हमारे समिति का दायित्व खत्म होता है, अन्य विषयों पर हम इन सोशल प्लेटफॉर्म को भविष्य में बुलाएंगे, क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो। दरअसल मेटा की ओर से माफी मांगना जरूरी भी था और यह स्वागतयोग्य भी है। पिछले सप्ताह फेसबुक के मालिक के नाते ख्यात मार्क जुकरबर्ग ने यह कह दिया था कि कोविड-19 के चलते भारत सहित ज्यादातर देशों में सरकारों को हार का मुंह देखना पड़ा। इस बयान की भारत में तीखी आलोचना हो रही थी कि जुकरबर्ग ने गलत बयानी की है। भारत में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सत्तारूढ़ गठबंधन को जीत मिली है और वह तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने में कामयाब हुए हैं। भारत की आपत्ति के बाद जुकरबर्ग ने स्वयं तो नहीं, पर उनकी कंपनी मेटा ने माफी मांगते हुए इसे अनजाने में हुई गलती कहा है। क्या यह मान लिया जाए कि यह गलती अनजाने में हुई है? क्या विशाल सोशल मीडिया मंच फेसबुक को संभालने वाली इतनी बड़ी कंपनी के मालिक को यह शोभा देता है कि वे भारत जैसे देश के चुनाव परिणाम से परिचित न हों? अगर यह गलती जुकरबर्ग से अनायास या अनजाने में हुई है, तो भी यह गंभीर बात है। यह बात तो साफ है कि वे भारत को लेकर सजग नहीं हैं।

मेटा इंडिया भी जुकरबर्ग की ही कंपनी है, जिसके एक आला अधिकारी ने कहा है कि अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी समूह मेटा के लिए भारत एक अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण देश बना हुआ है। अगर मेटा के लिए भारत खास है, तो इसके मालिक को भारत का नाम बहुत संभलकर लेना चाहिए। वैसे भी भारत सरकार अमेरिका, यूरोपीय देशों या चीन की तरह आक्रामक नहीं है। आक्रामक देशों में तो सरकारें फेसबुक या मेटा की गलतियों पर चारों ओर से टूट पड़ती हैं। कई बार ऐसी गलतियों के चलते कंपनियों को भारी जुर्माना भी चुकाना पड़ता है। उन देशों की कड़ाई का ही नतीजा है कि सोशल मीडिया कंपनियां इन देशों में बहुत सजग रहती हैं, जबकि भारत के मामले में उनकी नीति बदल जाती है। भारत की उदारता का ये कंपनियां अधिकतम दुरुपयोग करना चाहती हैं। जुकरबर्ग से जुड़े ताजा मामले को एक सबक के रूप में लेना चाहिए। साथ ही, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मालिकों और अधिकारियों को साफ शब्दों में सचेत कर देना चाहिए कि वे भारत के महत्व को समझें व पर्याप्त सजग रहें। भारतीयों को पता है कि साल 2019 में अमेरिका में फेडरल ट्रेड कमीशन ने उपयोगकर्ता की गोपनीयता का उल्लंघन करने के लिए फेसबुक पर पांच अरब डॉलर का जुर्माना लगाया था। कोई दोराय नहीं कि ऐसी कंपनियों पर कड़ी नजर रखना समय की मांग है।

एक खास बात यह है कि फेसबुक के मालिक को स्वयं ही गलत दावे करते या गलत बयानी करते देखा गया है। इसका दूसरों पर क्या असर होगा? फेसबुक या अन्य सोशल मंचों पर बहुत सारी फेक या फर्जी सूचनाएं तैरती रहती हैं और भारत में तो शायद कुछ ज्यादा ही मनगढ़ंत या झूठी सूचनाओं का प्रचार-संचार होता है। सूचनाओं की सच्चाई के प्रति जिम्मेदारी का भाव सभी में होना चाहिए। एक आम नागरिक को भी सजग रहना चाहिए कि उसके मार्फत कोई गलत सूचना संचारित-प्रसारित न हो और जुकरबर्ग जैसे मालिकों को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके अधीन चल रहे सोशल मीडिया मंचों पर किसी झूठ का सिक्का न चले। सूचनाओं की सच्चाई के प्रति सभी को गंभीर होना चाहिए और झूठ फैलाने वाले लोगों से हर स्तर पर बचने की जरूरत है।

क्या नया भवन कांग्रेस की सियासी तकदीर भी बदलेगा?

दुनिया की सबसे पुरानी और अब तक सक्रिय आधा दर्जन पॉलिटिकल पार्टियों में से एक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को अपने जन्म के 140 साल बाद खुद का भवन मिल गया। पार्टी का नया और स्थायी पता अब 9 ए कोटला रोड हो गया है। आजादी के पश्चात देश पर 60 साल तक राज करने वाली इस अनुभवी पार्टी को अपना दफ्तर बनाने में इतने साल क्यों लग गए, यह भी अपने आप में शोध का विषय है। कुछ लोगों का मानना है कि राजनीतिक पार्टियों का मुख्य ध्येय सत्ता में बने रहना, अपनी विचारधारा के अनुरूप सरकार चलाना और जन कल्याण के काम करना है न कि भवन खड़े करना।

दुनिया की सबसे पुरानी और अब तक सक्रिय आधा दर्जन पॉलिटिकल पार्टियों में से एक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को अपने जन्म के 140 साल बाद खुद का भवन मिल गया। पार्टी का नया और स्थायी पता अब 9 ए कोटला रोड हो गया है। आजादी के पश्चात देश पर 60 साल तक राज करने वाली इस अनुभवी पार्टी को अपना दफ्तर बनाने में इतने साल क्यों लग गए, यह भी अपने आप में शोध का विषय है। कुछ लोगों का मानना है कि राजनीतिक पार्टियों का मुख्य ध्येय सत्ता में बने रहना, अपनी विचारधारा के अनुरूप सरकार चलाना और जन कल्याण के काम करना है न कि भवन खड़े करना। काम तो कहीं से भी किया जा सकता है। क्या और कैसे किया जा रहा है, यह ज्यादा महत्वपूर्ण है। दूसरे शब्दों में कहें तो ज्यादातर सियासी पार्टियां संगठन को संस्थागत रूप देने में लापरवाह रहती हैं। उनका काम तदर्थवाद पर ही चलता रहता है। ऐसे में भवन खड़े करना या न करना बहुत मायने नहीं रखता।

संस्थागत विकास के प्रति यह उदासीनता या विवशता अमूमन सत्ता गंवाने पर तो रहती ही हैं, सत्ता मिलने पर भी रहती है। यूं कुछ दूसरी पार्टियों ने समय रहते अपने भवन खड़े कर लिए हैं, लेकिन इस मामले में सबसे ज्यादा सजग भारतीय जनता पार्टी दिखती है, जिसने अपनी स्थापना के 38 साल बाद अगर इसमें पूर्ववर्ती जनसंघ को भी जोड़ लें तो 67 साल बाद देश की राजधानी में अपना आलीशान दफ्तर बना लिया था।

बेशक, राजनीतिक काम अपने स्वयं के दफ्तर से चले या किराए के मकान से, यह बात दीर्घकालिक लक्ष्य के लिहाज से भले गौण लगे, लेकिन पार्टी का स्वयं सुविधासम्पन्न दफ्तर न केवल नेताओं बल्कि सम्बन्धित पार्टी के कार्यकर्ताओं को भी अलग तरह का आत्मविश्वास और आश्वस्ति प्रदान करता है, इसमें दो राय नहीं।

कांग्रेस के संदर्भ में यह बात और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह इस देश की लगभग डेढ़ सौ साल से मुख्य धारा की पार्टी रही है और अब भी सबसे बड़ा विपक्षी दल है। दुनिया में ऐसी गिनी-चुनी पार्टियां ही हैं, जिनकी स्थापना 19 वीं सदी की शुरुआत या उत्तरार्द्ध में हुई और वो अभी भी अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता कायम रखे हुए हैं।

इनमें अमेरिका की डेमोक्रेटिक पार्टी व रिपब्लिकन पार्टी, ब्रिटेन की कंजरवेटिव और लिबरल पार्टी प्रमुख हैं। दुनिया के बाकी लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक पार्टियों का गठन ज्यादातर 20 वीं सदी की शुरुआत में हुआ। कुछ देशों में 19 वीं सदी में दलीय लोकतंत्र की शुरुआत हुई भी तो वो पार्टियां अब राजनीतिक नक्शों से गायब हैं।

अगर कांग्रेस की ही बात की जाए तो भारत में अंग्रेजों से आजादी के संघर्ष की मुख्य धारा रही है। वह स्वयं एक आंदोलन के रूप में जन्मी और स्वतंत्रता पाने तक केंद्रीय भूमिका निभाती रही। कांग्रेस की स्थापना 28 दिसंबर 1885 को बंबई (अब मुंबई) में हुई थी। लेकिन तब से लेकर 15 अगस्त 1947 तक उसका अपना कोई स्थायी कार्यालय नहीं था। माना जाता है कि आजादी के पहले तक कांग्रेस का कामकाम इलाहाबाद स्थित आनंद भवन से चलता था, जो पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का पैतृक निवास था और बाद में उसे उनकी बेटी इंदिरा गांधी ने देश को समर्पित कर दिया था।

आनंद भवन से भी पहले कांग्रेस का काम अलग-अलग जगहों से संचालित होता रहा था। क्योंकि देश को आजाद कराना सबसे बड़ा लक्ष्य था। लेकिन अचरज की बात यह है कि स्वतंत्रता प्राप्ति और देश की सत्ता पर लंबे समय तक काबिज रहने के बाद भी कांग्रेस को नहीं लगा कि उसका अपना दफ्तर भी होना चाहिए। जो जानकारी उपलब्ध है, उसके मुताबिक आजादी के बाद से लेकर अब नया भवन बनने तक कांग्रेस का दफ्तर पांच जगहों पर चला। इस बीच देश ने कांग्रेस के 6 प्रधानमंत्री देखे।

आनंद भवन के बाद कांग्रेस कार्यालय दिल्ली के 7 जंतर-मंतर से चला, जो 1969 तक कांग्रेस के पहले विभाजन तक रहा। इसके बाद कांग्रेस कार्यालय विंडसर प्लेस में शिफ्ट हुआ, जो तत्कालीन कांग्रेस नेता एम.वी. कृष्णा का निवास था। 1971 में कांग्रेस का दफ्तर वहां से हटकर 5 राजेन्द्र प्रसाद रोड पहुंचा। 1977 के आम चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद 1978 में कांग्रेस कार्यालय 24 अकबर रोड शिफ्ट हुआ, जो नया भवन उद्घाटित होने के पहले तक कायम था। यह कांग्रेस सांसद जी वेंकटासामी का निवास था, जो विभाजन में इंदिराजी के साथ आ गए थे। तब इंदिरा गांधी अपने 20 समर्थको के साथ इस नए दफ्तर में दाखिल हुई थीं, जबकि पार्टी के 5 राजेन्द्र प्रसाद रोड पर कांग्रेस के मोरारजी देसाई गुट ने कब्जा कर लिया था। बताया जाता है कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी 1985 में (कांग्रेस स्थापना का शताब्दी वर्ष) में दिल्ली में 5 राजेन्द्र प्रसाद रोड पर पार्टी का एक आधुनिक भवन बनाना चाहते थे।

इसके लिए कांग्रेस सांसदों को एक माह का वेतन देने के लिए भी कहा गया। लेकिन 1991 में राजीव गांधी की हत्या ने सब कुछ बदल दिया। बाद में यूपीए 2 राज में केन्द्रीय शहरी विकास मंत्रालय नए नियमों के तहत कांग्रेस को भवन बनाने के लिए चार एकड़ का प्लॉट आवंटित किया। उसी समय भाजपा को भी मुख्यालय भवन बनाने के लिए जमीन आवंटित की गई थी।

कांग्रेस के नए भवन का शिलान्यास भी 2013 में तब हुआ, तब देश की सियासी तासीर बदल रही थी। अगले आम चुनाव में कांग्रेस सत्ता से बुरी तरह बेदखल हो गई। लेकिन विपक्ष में रहते हुए भी पार्टी 12 साल में अपना भवन बना सकी। अगर इसकी तुलना भाजपा से करें तो उसने केंद्र में पूर्ण बहुमत की सरकार बनते ही पहला काम अपना भवन बनाने का किया। 6 दीनदयाल मार्ग स्थित यह भवन 14 माह में बनकर तैयार हुआ। इसे किसी व्यक्ति के बजाए भारतीय जनता पार्टी भवन ही नाम दिया गया है। हालांकि इसकी लागत कितनी है, यह साफ नहीं है, लेकिन कांग्रेस नेता कमलनाथ ने आरोप लगाया था कि भाजपा ने मुख्यालय के निर्माण पर 700 करोड़ रुपए खर्च किए। जबकि कांग्रेस के नए मुख्यालय पर 292 करोड़ रुपए खर्च होना बताया गया है।

मगर देर आयद, दुरूस्त आयद। कांग्रेस का अपना नया भवन बनकर उद्घाटित हो चुका है। लेकिन बवाल यहां भी पीछा नहीं छोड़ रहा। नए भवन को इंदिरा भवन नाम दिया गया है। इस पर भी कई लोगों को ऐतराज है। कहा जा रहा है कि पार्टी कम से कम नामकरण के मामले में तो किसी गैर गांधी को श्रेय दे सकती थी। क्योंकि इस भवन को बनाने में इंदिराजी का कोई योगदान नहीं है। इसलिए भी क्योंकि पार्टी इन दिनो अंबेडकर के अपमान और संविधान बचाने का आंदोलन छेड़े हुए है। जबकि भाजपा स्व. इंदिराजी पर संविधान के अपमान और उसे बदलने का आरोप लगाती रही है। पार्टी चाहती तो नए भवन का नामकरण कांग्रेस भवन भी कर सकती थी, जिसमें कांग्रेस को बनाने में योगदान देने वाले सभी नेताओं और कार्यकताओं का समावेश हो जाता।

किसी राजनीतिक पार्टी का मुख्यालय कब बनता है या नहीं बनता है, इस सवाल को गौण मानें तो भी यह प्रश्न बहुत मौजू है कि क्या नया भवन और पार्टी मुख्यालय कांग्रेस का सियासी भविष्य बदलेगा या नहीं? 2024 के आम चुनावों ने कांग्रेस के लिए थोड़ी उम्मीद जगाई थी, लेकिन विधानसभा चुनावों में वह धूमिल होती दिखी।

पार्टी को स्थायी पता जरूर मिल गया है कि आने वाले वक्त में जनसमर्थन का ग्राफ कितना उछलेगा या और नीचे जाएगा, इसका पता खुद पार्टी नेताओं को भी नहीं है। 24 अकबर रोड पर कार्यालय शिफ्ट करते वक्त इंदिरा गांधी ने कहा था कि मैंने एक नहीं, दो-दो बार पार्टी को शून्य से खड़ा किया है। मेरा मानना है कि कांग्रेस का नया मुख्यालय आने वाले दशकों में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में ऊर्जा और उत्साह का संचार करता रहेगा। क्या कांग्रेस के नए भवन के उद्घाटन समारोह में राहुल गांधी के संबोधन के बाद वैसा ही माहौल बन सकेगा कि कांग्रेस पहले जैसी निर्णायक स्थिति आ जाए या फिर वह अपने अस्तित्व के अंतिम चरण में जा पहुंचेगी, इसका जवाब आने वाला वक्त देगा। लेकिन यह पार्टी के अपने चश्मे की बात है। हालांकि किसी वास्तु का भी अपना महत्व होता है। नई वास्तु राजनीतिक लाभ का चौघड़िया लेकर आएगी या नहीं, कहना मुश्किल है।

नागा साधुओं की सेना कभी बाहर क्यों नहीं दिखती ?

आखिर यह आकर्षण कैसा है...दूर-दूर तक संगम की पसरी रेत, साधुओं का रेला और डूबते सूरज की अरुणिमा में दीप्त चेहरे जो लंबे सफर के बाद क्लांत हो चले हैं। बड़े-छोटे, बच्चे, वृद्ध, धनाढ्य या केवल सिर पर गठरी लेकर बस एक कामना लेकर आने वाले की डुबकी तो लगानी ही है। गंगा-यमुना के संगम के साक्षी प्रयागराज में हर तरफ बस एक धुन गूंज रही है। महाकुंभ। मन में बहुत से सवाल उठते हैं, क्या यहां लोग मोक्ष की कामना लेकर आते हैं, या आते हैं अपने को पतित पाविनी गंगा और यमुना की धारा में फिर से निर्मल करने के लिए। या उनके मन में होता है उन साधुओं की एक झलक देखने का सपना, जिन्हें वे यहां के अलावा कहीं नहीं पाते। कभी आपने सोचा कि यहां सैकड़ों की संख्या में दिखने वाले नागा या अन्य अजब-गजब साधुओं की सेना कभी बाहर क्यों नहीं दिखती...या बस यहां हम खुद को खाली करने आते हैं। एक बार फिर उस निर्मल मन के साथ जीने के लिए जो जिंदगी की आपाधापी में कहीं न कहीं पापी बन बैठा।

देखा जाए तो यह बस सवाल हैं, इनका जवाब जानना है तो महाकुंभ की रेत पर दूर तक फैले संगम के विस्तार को समझना होगा। शताब्दियों से यहां हर छह या बारह साल में माघ के सर्द महीने में श्रद्धालु जुटते आए हैं। इतिहास के पन्ने पलटें तो पाएंगे कि यह सिलसिला बहुत पुराना है। कुंभ का दर्शन जटिल है तो बहुत सरल भी। बड़े हनुमान मंदिर के पास सिर पर जौ उगाए बाबा अमरजीत कहते हैं, विश्व का कल्याण हो यही हमारा उद्देश्य है। वे सोनभद्र से यहां आए हैं और यहां कल्पवास यानी कुंभ की अवधि में संगम तट पर रहेंगे। वहीं जौनपुर से आए डीके श्रीवास्तव दूर संगम में दिख रही नाव पर नजर जमाकर कहते हैं, यहां आना यानी तर जाना। उनके लिए कुंभ आना किसी भी तीर्थयात्रा से बढ़कर है। यहां आकर जो भाव मिलता है वैसा और कहीं नहीं। संगम तट पर मंडराते पक्षियों को निर्निमेष देख रहे बाबा रामेश्वर दास की कहानी भी संन्यास से मोक्ष के मार्ग की है। दरभंगा में बस मेरा जन्म हुआ, अब न राग है न विराग।...बस साधना है।

कोट और टाई पहने लगभग 60 साल के राधेश्याम पांडेय श्रद्धालुओं की बेढब सी भीड़ में कुछ अलग से दिखे। पूछने पर बताया, इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक वकील के यहां मुंशी हैं। यहां क्यों आए। इस सवाल का जवाब जरा ठहरकर देते हैं, आता हूं तो अच्छा लगता है। आपका तो शहर ही है आते ही रहते होंगे। इस पर कहते हैं, हां यहां आकर मन ठहर सा जाता है। संगम की रेती पर गंगाजल भरने के लिए केन बेचने वाले संजय शाह कहते हैं, कुंभ में यहां आने से पुण्य मिलता है। कैसे पता, इस पर कहते हैं कि उन्हें यह एक बाबा ने बताया।

...तो फिर आखिर क्या है कुंभ। दरअसल कुंभ एक ऐसी आध्यात्मिक यात्रा है जिससे गुजरकर उन सभी सवालों का जवाब मिलता जो मन में उठते हैं। यह एक विश्वास की यात्रा है। जिसमें संस्कृति, सभ्यता और भक्ति के रंग घुले हुए हैं। न जाने कब से प्रयाग की पवित्र भूमि पर लाखों लोग बिना किसी निमंत्रण के जुटते रहे हैं। कुंभ मेला लोगों का ही संगम नहीं कराता बल्कि भारतीय भाषाओं और लोक-संस्कृतियों का संगम भी बन जाता है।

अपने अखाड़े में धूनी रमाये बैठे उस नागा साधु की दृष्टि में कुछ ऐसा था जिसने कुंभनगरी के काली मार्ग से गुजरते हुए जैसे बांध लिया। उनके पास जाकर बातचीत का सिलसिला शुरू हो गया। संन्यास क्यों लिया और वो भी नागा साधु बनकर। इस सवाल पर वे कहते हैं, हम तो मरकर जन्मे हैं, यह नागा साधु का चोला तो अपना पिंडदान करने के बाद ही मिलता है। घर, नाता, दुनियादारी से अब कैसा वास्ता। अब तो यही हमारी दुनिया है। पहले अखाड़ों का काम आक्रांताओं से आमजन की रक्षा करना होता था, अब तरीके बदल गए हैं। अब साधु का काम समाज और दुनिया में सद्भाव और शांति लाना है। बताते हैं कि उनका अखाड़ा स्कूल चलाता है और कई तरह के धर्मार्थ कार्य करता है।

वहीं महानिर्वाणी अखाड़े के रवींद्र पुरी कहते थे, धर्म तो विज्ञान से जुड़ा है। देश की अर्थव्यवस्था में अखाड़े बड़ी भूमिका निभाते हैं। आखिर अखाड़ों से राजस्व भी मिलता है और कुंभ में रोजगार भी पैदा होते हैं। धार्मिक पर्व देश की अर्थव्यवस्था को चलाने का सिस्टम भी हैं। श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े में कपिल मुनि महाराज के मंदिर के सामने नागा साधु दिनेश गिरी कहते हैं साधु बनना या न बनना परमात्मा ही तय करता है। आगरा से इसी महाकुंभ में संन्यासी बनीं गौरी गिरी (पहले का नाम राखी) कहती हैं मुझे तो बस यही बनना था। यही नियति है। काशी विद्यापीठ से पीएचडी करने वाले पंचदशनामी जूना अखाड़े के योगानंद गिरी कहते हैं, नरसेवा ही तो नारायण की सेवा है। सेवा का यही मार्ग संन्यास है। पहले अखाड़ों में शस्त्र चलाने का प्रशिक्षण दिया जाता था वह उस समय की जरूरत थी अब नहीं है तो साधु अन्य काम करते हैं। एक सवाल पर कहते हैं कि साधु हैं तो सनातन है। साधु नहीं रहेंगे तो धर्म भी नहीं रहेगा। फिर समाज को मार्ग कौन दिखाएगा। अखाड़ों में बीटेक, सीए, पीसीएस अफसर, आईएएस अफसर संन्यासी बनने आते हैं, इसकी क्या वजह है। इस सवाल पर वे कहते हैं संन्यास तो परमात्मा तक पहुंचने का माध्यम है। ये लोग आते हैं तो बेहतर समाज बनाने में योगदान भी करते हैं।

निरंरजनी अखाड़े के रवींद्र पुरी कहते हैं कि तनबल और जनबल ही साधु समाज को जिंदा रखते हैं, हम धनबल से दूर हैं। जनता से अलग होकर भी हम कल्याण की भावना से काम करते हैं। हम सामाजिक समरसता का संदेश देते हैं। पेशवाई की तैयारी में 90 फीसदी काम मुस्लिम करते हैं। वहीं आवाहन अखाड़े के सत्य गिरि कहते हैं जब शस्त्र की जरूरत थी हम उन्हें चलाते थे अब शास्त्रों की जरूरत है। हां, इतना है कि हथियारों की अब भी पूजा की जाती है।

डीएम के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट ने टीम के साथ एआरटीओ कार्यालय पर मारा छापा

दो व्यक्तियों को गैर कानूनी गतिविधियों में पाया गया संदिग्ध, की गई एफआईआर, नहीं बता पाए कार्यालय आने का कारण

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशानुसार सिटी मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार एवं उप-जिलाधिकारी एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा फोर्स के साथ सम्भागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय, ट्रांसपोर्ट नगर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण की कार्यवाही के दौरान कार्यालय परिसर के गेट के पास दो व्यक्तियों मोहर सिंह पुत्र कलीराम निवासी ग्राम जडौदा पाण्डा थाना बडगांव व विजेन्द्र कुमार पुत्र इन्द्रपाल निवासी शुक्रताल थाना नकुड जनपद को खडे हुए पकडा गया। सिटी मजिस्ट्रेट के समक्ष ही सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) द्वारा दोनों व्यक्तियों से पूछताछ की गयी, जिसमें मोहर सिंह द्वारा बताया गया कि वह अपने किसी रिश्तेदार के साथ ड्राईविंग लाईसेंस के सम्बन्ध में कार्यालय आया है, जिसकी तसदीक उनके साथ आये रिश्तेदार द्वारा की गयी एवं विजेन्द्र कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि वह कार्यालय में बने शौचालय में जाने के लिए परिसर में आया था इस संबंध पुलिस द्वारा जानकारी ली गई। पूछताछ के उपरान्त दोनों व्यक्तियों के पास से कार्यालय सम्बन्धी कोई भी प्रपत्र कागजात इत्यादि नहीं मिला। जिस पर दोनों व्यक्तियों को एफ आई आर दर्ज कराई गई है। इस अवसर पर पुलिस अधिकारी विवेक तिवारी, डिप्टी कलेक्टर श्वेता पांडेय, डॉक्टर पूर्वा उपस्थित रही।

पद्मश्री स्वामी डा.भारत भूषण वयोवृद्ध शिक्षक

पुरुषोत्तम स्वरूप के घर पहुंचे,बोले शिक्षक कभी भूतपूर्व नहीं होते

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, अंतर्राष्ट्रीय योगगुरु पद्मश्री स्वामी डा. भारत भूषण आज अनायास अपनी सहधर्मिणी इष्ट शर्मा के साथ अपने कॉलेज टाइम के 97 वर्षीय वयोवृद्ध शिक्षक डा. पुरुषोत्तम स्वरूप के गिल कॉलोनी स्थित निवास पर पहुंचे और उनके संग अपने स्कूली जीवन के संस्मरणों की याद ताजा की। इस अचानक आगमन से आश्चर्यचकित डा. गुप्ता के परिजनों को पदमश्री स्वामी भारत भूषण ने कहा कि गुरु, पिता और मित्र के पास कभी भी जाया जा सकता है, वहां से निमंत्रण की अपेक्षा कभी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज पचास साल पहले हुई कॉलेज टाइम की बातें याद हो आई, कुछ भी तो नहीं बदला, गुरु जी भी वैसे ही हैं अपनी पुरानी खनक के साथ आज भी हमें बहुत कुछ देने की स्थिति में है। स्वामी भारत भूषण ने कहा कि सच्चाई यह है कि शिक्षक कभी भी भूतपूर्व नहीं होता बल्कि अनुभव के साथ समाज को और भी अधिक देने के लिए परिपक्व होता चला जाता है। उन्होंने इसे व्यवस्था की कमी बताया कि सेवानिवृत्ति के साथ ही जीवन भर हजारों बच्चों के बीच रहने और उनसे अपना ज्ञान और अनुभव साझा करने वाला शिक्षक उस स्कूली वातावरण से एकदम अलग हो जाता है। उन्होंने रिटायरमेंट के बाद भी कुछ शर्तों के साथ कुछ घंटों के लिए स्वैच्छिक सेवा देने का अवसर या विकल्प शिक्षक को दिए जाने की बात कही और बताया कि इससे उनके जीवन को अर्थ व बच्चों को उनके परिपक्व ज्ञान और वर्तमान नए शिक्षकों को उनके अनुभवसंपन्न अध्यापन कौशल का लाभ मिल सकता है। योग गुरु भारत भूषण ने इस बात को याद करके चुटकी ली कि घर से काम करके चेक न कराने वाले कुछ बच्चे पिटाई के डर से स्वयं ही अपनी कॉपी पर पुस्व लिखकर पुरुषोत्तम स्वरूप के लघु हस्ताक्षर कर लेते थे और कह देते थे कि उनकी कापी चैक्ड है। उन्होंने श्री गुप्त के नैतिक बल और अनुशासन के सराहना करते हुए बताया कि एक बार कॉलेज का गेट फांद कर बाहर कूद जाने पर कैसे उन्होंने मुझे उसी तरह से अंदर वापिस आने का दबाव बनाया और फिर कभी ऐसा न करने की नसीहत देकर अनुशासन की महिमा सिखाई थी। इस अवसर पर श्री गुप्ता के पौत्र सचिन सहित पूरा परिवार मौजूद रहा।

सहारनपुर जनपद में 24 जनवरी को यूपी दिवस के अवसर पर होगी पेंटिंग प्रतियोगिता

25 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जनमंच में आयोजित होंगे कार्यक्रम

गौरव सिंघल। सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस एवं 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाये जाने के संबंध में बैठक आहूत की गयी। डीएम मनीष बंसल ने बताया कि उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 24 जनवरी को लाइव पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसकी मुख्य थीम महाकुंभ होगी। इसी के साथ विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स का प्रदर्शन भी किया जाएगा। उन्होंने सभी विद्यालय प्रबंधकों से उनके विद्यालय के बच्चों को पेंटिंग प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करने की बात कही। प्रतियोगिता में जनपद के सीबीएसई, आईसीएसई, यूपी बोर्ड सहित डिग्री कॉलेजों के स्टूडेंट्स प्रतिभाग करेंगे। पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया जाएगा। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं निर्धारित धनराशि देकर पुरस्कृत किया जाएगा। डीएम मनीष बंसल ने बताया कि 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जनमंच सभागार में मतदाता जागरूकता थीम पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान जिलाधिकारी ने आंगनवाड़ी केंद्रों पर किट्स उपलब्ध कराने वाले विद्यालयों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, पुलिस अधिकारी विवेक तिवारी, नगर मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, समस्त उपजिलाधिकारी सहित संबंधित विद्यालयों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

त्रिपुर माँ बाला सुन्दरी देवी मेला वर्ष-2025 की महक चौहान निर्विरोध बनी मेला चेयरमैन, क्षेत्रवासियों ने दी बधाई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, नगर पालिका परिषद देवबन्द के तत्वावधान में आयोजित होने वाले श्री त्रिपुर माँ बाला सुन्दरी देवी मेला वर्ष-2025 का महक चौहान पत्नी श्याम चौहान को निर्विरोध मेला चेयरमैन बनने पर भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल अध्यक्ष अरुण गुप्ता, अनुज अग्रवाल, अजय गर्ग वैभव अग्रवाल, विशाल गर्ग, जोगेंद्र जाटव, आलोक खटीक, अंकित चौहान, नितिन गुप्ता, व्यापारी शशांक जैन,वरिष्ठ पत्रकार गौरव सिंघल, अमित सिंघल एडवोकेट, शिक्षक मोहित आनंद, मोहित धीमान, राम मोहन सैनी, शिक्षक वरूण धीमान, राजीव गुप्ता, अजय जैन, संजीव सैनी, विकास चौधरी आदि काफी संख्या में लोगों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

औल्याकन्हार में कबड्डी टूर्नामेंट की पहल को जिला खेल संघ पदाधिकारियों ने सराहा

जिला कराटे कोच सजिन्द्र कृष्णनकुट्टी ने टूर्नामेंट का वीडियो प्रमोशन किया

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, औल्याकन्हार फिजिकल क्लब के तत्वाधान में आगामी 30 एवं 31 जनवरी को आयोजित न्यूट्रिक प्री कबड्डी टूर्नामेंट की जिले के विभिन्न खेल संघ पदाधिकारियों ने मुक्त हस्त से सराहना की है और इसे लालबर्रा में खेल गतिविधियों को बढ़ाने का एक बढ़िया माध्यम बताया है। औल्याकन्हार फिजिकल क्लब के पदाधिकारीगण गुरुवार को बालाघाट में विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों से मिले और उन्हें टूर्नामेंट में उपस्थित होने का न्यौता दिया। पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर मृणाल मीना से भी मुलाकात की और उन्हें टूर्नामेंट के आयोजन की जानकारी देते हुए टूर्नामेंट में आगमन हेतु आमंत्रित किया जिस पर श्री मीना ने कहा कि वांछित दिनांक को समय रहने पर वे अवश्य टूर्नामेंट में उपस्थित होंगे। जिला योग समिति के अध्यक्ष तपेश असाटी ने कहा, औल्याकन्हार का यह टूर्नामेंट खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने का अद्भुत प्रयास है। इससे क्षेत्र के युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। जिला कबड्डी संघ बालाघाट के महासचिव रमेश दीक्षित ने कहा कि औल्याकन्हार में कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन न केवल युवाओं को खेल से जोड़ने का माध्यम बनेगा, बल्कि जिले में कबड्डी के प्रतिभावान खिलाड़ियों को मंच प्रदान करेगा। यह आयोजन सराहनीय है। वहीं जिला एथलेटिक्स संघ बालाघाट के अध्यक्ष नरेश धुवारे ने टूर्नामेंट की सराहना करते हुए कहा, औल्याकन्हार में इस तरह का आयोजन खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ ही ग्रामीण प्रतिभाओं को उभारने का सुनहरा अवसर है। मैं इस आयोजन के लिए क्लब को बधाई देता हूं। जिला कबड्डी संघ के उपाध्यक्ष जितेन्द्र कोचर ने कहा, न्यूट्रिक प्री कबड्डी टूर्नामेंट निश्चित रूप से खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाएगा और जिले में खेल को नई दिशा देगा। इस पहल की जितनी तारीफ की जाए, कम है। अखिल भारतीय फिजिकल एकेडमी के संचालक ओमप्रकाश दमाहे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, औल्याकन्हार में टूर्नामेंट का आयोजन खेल के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह आयोजन युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा देगा और उनके भविष्य निर्माण में सहायक होगा। आकाशवाणी बालाघाट के उदघोषक अजय बैस ने टूर्नामेंट की सराहना करते हुए कहा, कबड्डी जैसा पारंपरिक खेल हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। औल्याकन्हार में इस आयोजन से नई पीढ़ी में खेल भावना जागृत होगी और युवाओं को अपने कौशल दिखाने का बेहतरीन मंच मिलेगा। जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कराटे कोच सजिन्द्र कृष्णनकुट्टी ने कहा, यह टूर्नामेंट न केवल कबड्डी के विकास के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि इससे अन्य खेलों के प्रति भी जागरूकता बढ़ेगी। क्लब की यह पहल जिले के लिए अनुकरणीय है। पुलिस बल एकेडमी के व्हालीबॉल के वरिष्ठ कोच सुधीर कुमार तोमर ने टूर्नामेंट की तारीफ करते हुए कहा, औल्याकन्हार में खेलों को बढ़ावा देने की यह पहल काबिले तारीफ है। यह आयोजन न केवल खिलाड़ियों को प्रेरित करेगा बल्कि उनके भविष्य को नई दिशा भी देगा।

सिटी चीफ के संवाददाता धीरज कुमार ने थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चे को रक्तदान कर बचाई जान

रक्तदान क्यों हैं जरुरी क्या पड़ता हैं शरीर पर प्रभाव

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, जिला अस्पताल में रोज़ाना कई मरीज इलाज के लिए आते हैं, जिनमें से कई को रक्त की आवश्यकता होती है। हालांकि, कई बार ब्लड बैंक में रक्त की कमी के कारण मरीजों और उनके परिवारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता हैं जिसका प्रमुख्य कारण होता हैं लोगो में रक्तदान के प्रति जागरूकता की कमी, सरकार और स्वास्थ्य विभाग समय समय पर बिभिन्न माध्यमो से रक्तदान के प्रति लोगो को जागरूक करने और रक्तदान से शरीर में होने बाले अच्छे पभाव पर जानकारी देते हैं, लोगो में रक्तदान के प्रति क्यों हैं उदासीनता जानकारी की कमी, अक्सर देखा जाता हैं की मरीज को जब खून की आवश्यकता पड़ती है तब मरीजो के परिजनों को ब्लड बैंक की याद आती हैं और जब ब्लड बैंक में उन्हें ब्लड रिप्लेस को कहा जाता हैं तब वे अपने ही परिवारजनों के लिए ब्लड देने से कतराते हैं और चाहते हैं कोई और परिचय बाला उनका यह काम कर दे जब पहचान से काम नहीं बनता तब पैसो के बदले खून की मांग करते हैं, अब सोचने बाली बात हैं भला ऐसा क्यों प्रमुख्य कारण हैं जानकारी का आभाव लोगो को लगता हैं रक्तदान से उन्हें कमजोरी या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं आ सकती हैं जोकि कुछ प्रतिशत सही हैं पर ऐसा नहीं हो इसका ध्यान रखने की जबाबदारी ब्लड बैंक में कार्यरत डॉक्टर,लैब टेक्निशियन, और स्पोर्ट स्टाफ की हैं किसी भी व्यक्ति का ब्लड निकाल लेना इतना सरल नहीं जितना लगता हैं सबसे पहले तो डोनर का वजन होता हैं फिर ब्लड का सैंपल लिया जाता हैं जिसके बाद तमाम तरह की जांचे होते हैं जिसमे ब्लड ग्रुप की पहचान सहित डोनर के हीमोग्लोबिन की मात्रा का पता चलता हैं साथ ही विभिन्न तरह की जांच होती है जिससे पता चलता है कि दाता किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित तो नहीं है सब ठीक होने पर ही एक तय मात्रा में ब्लड निकला जाता हैं नहीं तो ब्लड बैंक का स्टाफ आपको ब्लड देने से साफ मना कर देता है। लंबे समय तक ब्लड डोनेट न करने से क्या पड़ता है शरीर पर प्रभाव ऐसे बहुत से लोग होते हैं जो नियमित 3 से 6 माह या साल में एक बार ब्लड डोनेट करते रहते हैं ऐसे लोग विभिन्न तरह की गंभीर बीमारियों से बचे रहते हैं क्योंकि नियमित रक्तदान करने वाले लोगों के शरीर में नया रक्त तेजी से बनता है और शरीर में हल्का पन महसूस होता है और शरीर एनर्जेटिक बना रहता है ग्लूकोज,शुगर की संतुलित मात्रा रहती है साथ ही नया रक्त शरीर में पुराने रक्त की तुलना में पतला और साफ होता है जिसे हमारे हार्ड (दिल) को साफ कर शरीर के सभी हिस्सों में पम्प करने में आसानी आसानी होती जिससे हृदय भी स्वस्थ रहता है, जिन लोगों मैं संतुलित मात्रा से अधिक हीमोग्लोबिन बढ़ जाता है ऐसे लोगों का खून अत्यधिक गाढ़ा हो जाता है जिसे नियमित साफ करते हुए शरीर के सभी हिस्सों में पहचाने में हार्ड को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है इसलिए देखा जाता हैं की ऐसे लोगों को थोड़ी सी मेहनत में ही हाफी चलने लगती हैं और ब्लड प्रेशर की भी समस्या बनी रहती है कई मामलों में संतुलित मात्रा से अधिक हीमोग्लोबिन वाले लोगों को ब्रेन हेमरेज, हार्ड अटैक और लकवा जैसी बीमारियों का खतरा बना रहता है, इसीलिए कमजोरी जैसे भ्रम को पीछे छोड़ दिल खोलकर रक्तदान करें रक्तदान न केवल किसी का जीवन बचा सकता है वही आपके शरीर को भी स्वस्थ रखता है। ऐसे बहुत से लोग होते हैं जो नियमित 3 से 6 माह या साल में एक बार ब्लड डोनेट करते रहते हैं ऐसे लोग विभिन्न तरह की गंभीर बीमारियों से बचे रहते हैं क्योंकि नियमित रक्तदान करने वाले लोगों के शरीर में नया रक्त तेजी से बनता है और शरीर में हल्का पन महसूस होता है और शरीर एनर्जेटिक बना रहता है ग्लूकोज,शुगर की संतुलित मात्रा रहती है साथ ही नया रक्त शरीर में पुराने रक्त की तुलना में पतला और साफ होता है जिसे हमारे हार्ड (दिल) को साफ कर शरीर के सभी हिस्सों में पम्प करने में आसानी आसानी होती जिससे हृदय भी स्वस्थ रहता है, जिन लोगों मैं संतुलित मात्रा से अधिक हीमोग्लोबिन बढ़ जाता है ऐसे लोगों का खून अत्यधिक गाढ़ा हो जाता है जिसे नियमित साफ करते हुए शरीर के सभी हिस्सों में पहचाने में हार्ड को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है इसलिए देखा जाता हैं की ऐसे लोगों को थोड़ी सी मेहनत में ही हाफी चलने लगती हैं और ब्लड प्रेशर की भी समस्या बनी रहती है कई मामलों में संतुलित मात्रा से अधिक हीमोग्लोबिन वाले लोगों को ब्रेन हेमरेज, हार्ड अटैक और लकवा जैसी बीमारियों का खतरा बना रहता है, इसीलिए कमजोरी जैसे भ्रम को पीछे छोड़ दिल खोलकर रक्तदान करें रक्तदान न केवल किसी का जीवन बचा सकता है वही आपके शरीर को भी स्वस्थ रखता है। आज दमोह जिला चिकित्सालय में भर्ती हर्ष नाम के बच्चे को ह्र'पॉजिटिव रक्त की आवश्यकता पड़ती है चूकि हर्ष थैलीसीमिया नाम की बीमारी से ग्रसित हैं और समय समय पर रक्त की आवश्यकता पड़ती है ऐसे कुछ रेयर मामलों में मरीज के परिवारों को ब्लड की आवश्यकता पड़ती रहती है इसी तरह की स्थितियों से निपटने के लिए और परिवार का साथ देने के लिए महामाया रक्तदान समिति जैसे समाजसेवी संगठन है जो जरूरतमंद मरीजों के लिए वरदान की तरह हैं। आज दमोह जिला चिकित्सालय में भर्ती हर्ष नाम के बच्चे को ह्र'पॉजिटिव रक्त की आवश्यकता पड़ती है चूकि हर्ष थैलीसीमिया नाम की बीमारी से ग्रसित हैं और समय समय पर रक्त की आवश्यकता पड़ती है ऐसे कुछ रेयर मामलों में मरीज के परिवारों को ब्लड की आवश्यकता पड़ती रहती है इसी तरह की स्थितियों से निपटने के लिए और परिवार का साथ देने के लिए महामाया रक्तदान समिति जैसे समाजसेवी संगठन है जो जरूरतमंद मरीजों के लिए वरदान की तरह हैं। आज दमोह में हर्ष के परिजन जब ब्लड बैंक पहुंचे, तो पता चला कि वहां ह्र पॉजिटिव रक्त उपलब्ध नहीं है तब महामाया रक्तदान समिति के संचालक अखिलेश रजक से संपर्क किया और बच्चे के लिए रक्त की कमी की जानकारी दी तब उन्होंने तुरंत समिति के सदस्य धीरज कुमार से बात की जोकि पेसे से पत्रकार हैं धीरज ने बिना किसी हिचकिचाहट के रक्तदान किया, जिससे बच्चों को रक्त उपलब्ध हो सका। रक्तदान करने वाले धीरज कुमार का आम लोगों के लिए संदेश आइए, हम सब मिलकर रक्तदान के प्रति सबको जागरूक करें और दूसरों की जिंदगी बचाने में अपना योगदान दें। **याद रखें, रक्तदान महादान है।**

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत हेलमेट लगा कर चलायी बाईक

बोले जीवन अनमोल यातायात नियमों का पालन करें, सुरक्षित रहें

राजीव खरे । सिटी चीफ रायपुर, प्रदेश में मनाये जा रहें 36वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हेलमेट लगाकर बाईक चलाकर प्रदेशवासियों को हेलमेट लगाने के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने आज राजधानी के रोहणीपुरम गोल चौक पहुँचकर बाईकर्स और पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के साथ बाईक रैली में हिस्सा लिया। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों सहित चार पहिया वाहन चलाने वाले लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। इस दौरान श्री साय ने हरी झण्डी दिखाकर भव्य बाईक रैली को रवाना भी किया। स्वंयसेवी संस्थाओं ने नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से यातायात नियमों का पालन करने से होने वाले फायदों के बारे में भी लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मनुष्य का जीवन बहुत अनमोल है। मनुष्य जीवन में पारिवारिक दायित्वों का भी निर्वहन करना होता है। उन्होंने कहा कि एक तरह से हमारा जीवन परिवार के लिए है और इसे सुरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वाहन चलाते समय हम सभी को यातायात नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। दो पहिया वाहन चलाते समय सिर पर हेलमेट अवश्य ही पहनना चाहिए और कार चलाते समय सीट बेल्ट भी लगाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा सीमित रफ्तार में ही वाहन चलाने से दुर्घटना होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। कभी भी नशा कर वाहन चलाने से बचना चाहिए। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को यातायात नियमों के अनुसार वाहन चलाने, यातायात के नियमों का पालन करने का भी संदेश दिया, ताकि अपने जीवन के साथ-साथ दूसरे लोगों का जीवन भी सुरक्षित रहें और पारिवारिक जिम्मेदारियों का पूरी तरह से निर्वहन किया जा सके। उल्लेखनीय है कि 36वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 31 जनवरी 2025 तक मनाया जा रहा है। इसके तहत रायपुर यातायात पुलिस द्वारा लोगों को सुरक्षित वाहन चलाने के लिए जरूरी नियमों और संसाधनों के बारे में जानकारी दी जा रही है। रोचक तरीके से सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा की थीम पर बैनर-पोस्टर लगाकर उपयोगी संदेश दिए जा रहें हैं। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से सुरक्षित आवागमन के लिए यातायात नियमों की जानकारी दी जा रही है। पुलिस और प्रशासन ने इस पूरे अभियान के लिए अलग-अलग दिनों पर अलग-अलग जगहों पर विभिन्न कार्यक्रमों का भी आयोजन किया है। इन कार्यक्रमों में वाहन चालकों, स्थानीय नागरिकां और छात्र-छात्राओं के पालकों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जा रही है। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उम्मेद सिंह, नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप, पुलिस और परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी व बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी उपस्थित थे ।

बीजापुर के जंगलों में सुरक्षाबलों व नक्सली मुठभेड़, 18 नक्सली ढेर

राजीव खरे । सिटी चीफ बीजापुर, छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक के पुजारी कांकेर व मारुड़बाका के जंगल में गुरुवार को सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई, जिसमें 18 नक्सली मारे गए।यह इलाक़ा लंबे समय से नक्सलियों का गढ़ माना जाता है। सुरक्षाबलों की सतर्कता और योजनाबद्ध कार्रवाई ने इस अभियान को सफल बनाया। उसूर ब्लॉक का पुजारी कांकेर व मारुड़बाका बीजापुर जिले का बेहद संवेदनशील क्षेत्र है, जहां नक्सली गतिविधियां काफी समय से सक्रिय हैं। यह इलाका घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों से घिरा है, जिससे नक्सलियों को छिपने और अपनी रणनीति बनाने में मदद मिलती है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, नक्सली यहां लंबे समय से डेरा जमाए हुए थे और किसी बड़ी घटना की योजना बना रहे थे। सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों एवं जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान नक्सलियों ने घात लगाकर हमला किया, लेकिन सुरक्षाबलों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ में 18 नक्सली मारे गए, जिनमें कुछ वांछित नक्सली कमांडर भी शामिल हैं। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक सामग्री और नक्सल साहित्य बरामद किया गया है। ऑपरेशन के बाद आसपास के इलाके को घेरकर सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, ताकि बचे हुए नक्सलियों को पकड़ा जा सके। राज्य के मुख्यमंत्री ने इस मुठभेड़ को सुरक्षाबलों की बड़ी उपलब्धि करार देते हुए कहा, बीजापुर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इस प्रकार की कार्रवाई करना हमारी नक्सल विरोधी नीति की सफलता को दर्शाता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी सुरक्षाबलों की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि यह ऑपरेशन नक्सलवाद को खत्म करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उसूर के आसपास के गांवों में इस ऑपरेशन के बाद से राहत और विश्वास का माहौल है। लंबे समय से नक्सल आतंक झेल रहे स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि अब उनके इलाके में शांति और विकास का रास्ता खुलेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे जंगल व पहाड़ी इलाकों में नक्सलियों का पूरी तरह सफाया करना आसान नहीं है, लेकिन यह ऑपरेशन सुरक्षा बलों के मनोबल को बढ़ाने वाला है। अब इन इलाकों में विकास योजनाओं को तेजी से लागू करना जरूरी है, ताकि नक्सलवाद की जड़ें कमजोर हो सकें।

महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय को नया कुलपति मिला

डॉ. रवि रत्न सक्सेना ने संभाला कार्यभार

राजीव खरे । सिटी चीफ पाटन, महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, जो छत्तीसगढ़ में उद्यानिकी एवं वानिकी शिक्षा के प्रमुख केंद्र के रूप में जाना जाता है, को नया नेतृत्व मिल गया है। राज्यपाल और कुलाधिपति रमेन डेका ने अनुभवी शिक्षाविद् डॉ. रवि रत्न सक्सेना को विश्वविद्यालय का नया कुलपति नियुक्त किया है। डॉ. सक्सेना ने 16 जनवरी, 2025 को विश्वविद्यालय में अपना कार्यभार संभाला। इससे पहले इस विश्वविद्यालय का प्रभार भारतीय प्रशासनिक सेवा (ड्रूस) के अधिकारी महादेव कावरे के पास था। डॉ. सक्सेना के पास शिक्षा और शोध का विस्तृत अनुभव है, और उनकी नियुक्ति को विश्वविद्यालय के भविष्य के लिए एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है। डॉ. सक्सेना ने अपने पहले वक्तव्य में कहा कि उनकी प्राथमिकता विश्वविद्यालय को शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाना है। छत्तीसगढ़ में उद्यानिकी और वानिकी के क्षेत्र में बड़े अवसर हैं, और हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्रदान करना है, उन्होंने कहा। राज्यपाल और कुलाधिपति रमेन डेका ने कहा कि डॉ. सक्सेना की नियुक्ति विश्वविद्यालय के विकास और उन्नति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उनके अनुभव और नेतृत्व कौशल से छात्रों और विश्वविद्यालय दोनों को लाभ होगा। इससे पहले कार्यरत ड्रूस अधिकारी महादेव कावरे ने विश्वविद्यालय को प्रशासनिक मजबूती प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल में कई नई योजनाएं और परियोजनाएं शुरू हुईं, जिनमें से कई अब क्रियान्वयन के चरण में हैं। महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय पाटन, दुर्ग जिले में संचालित होता है और क्षेत्रीय कृषि, उद्यानिकी और वानिकी के क्षेत्र में नए शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहित करता है। डॉ. सक्सेना की नियुक्ति को राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नई शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

श्याम दीवाने मित्र मंडल एवं विप्र रक्त संगठन के तत्वाधान में हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

101 दानदाताओं ने किया अपने रक्त का दान

आलोट- नगर की अग्रणी धार्मिक एवं सामाजिक संस्था श्याम दीवाने मित्र मंडल एवं विप्र रक्त संगठन मध्य प्रदेश शाखा आलोट के संयुक्त तत्वाधान में पंडित पंकज शुक्ला गुलबालोद के जन्मोत्सव पर शासकीय अस्पताल आलोट में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मेडिकल कॉलेज रतलाम की ब्लड बैंक की टीम के द्वारा रक्त संग्रहण का कार्य किया गया जिसमें नगर के लोगों ने खास करके युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया आलोट नगर के इतिहास में पहली बार किसी रक्तदान शिविर में 101 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया उक्त शिविर में भाग लेने वाले सभी रक्तदाताओं का श्याम दीवाने मित्र मंडल एवं विप्र रक्त संगठन मध्य प्रदेश शाखा आलोट हार्दिक आभार व्यक्त करता है एवं उनके द्वारा दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हैरक्तदान शिविर में श्याम दीवाने मित्र मंडल के पंकज शुक्ला, गोपाल अरोड़ा, पवन कामरिया, विजय पुरोहित, मनीष पांचाल, राहुल पोरवाल, राहुल सोलंकी, प्रियंक बांठिया, महावीर दास बैरागी, जसवंत शर्मा, कर्णपाल सिंह सिसोदिया, सतीश अरोड़ा, अनिल पोरवाल, विजय पोरवाल एवं विप्र रक्त संगठन शाखा मध्य प्रदेश के आधार स्तंभ नकुल खारोल एवं नगर के कई युवाओं ने रक्तदान कर अपनी उपस्थित दर्ज कराई। शिविर में कई युवा ऐसे भी थे जिन्होंने प्रथम बार रक्तदान किया

नगर परिषद स्वच्छता अभियान संर्वेक्षण 2022 में ब्रांड एंबेसडर रहे नारायण सोमानी की मांग पर जावद बस स्टैंड की एक मात्र सुप्रसिद्ध चौपडा जल मंदिर प्याऊ की नगर परिषद ने की साफ सफाई

ब्रांड एंबेसडर सोमानी ने सफाई करके दिया स्वच्छता का संदेश साथ ही नगरवासियों ने माना आभार

जावद। प्रेस क्लब अध्यक्ष नारायण सोमानी ने कहा बरसो पहले यात्रियों एवं आमजनो को शुद्ध जल मिले इसके लिए चौपडा परिवारजनो ने लाखो रूपये खर्च करके बस स्टैंड यात्री प्रतिशालय के पास नगर की सबसे बडी चौपडा जल मंदिर (प्याऊ) का निर्माण करवाकर जनता को समर्पित किया। इसी जल मंदिर पर प्रतिदिन सैकडो पैदल आने जाने राहगीर, महिला, पुरूष, युवाजन, आसपास दूकानदार, बसो में आने जाने यात्रियों को शुद्ध पीने का पानी मिलता है, साथ ही बसो में आने जाने यात्रियों को भी दूर से बस स्टैंड पर पानी पीने का यही एक मात्र मुख्य साधन दिखता है। अध्यक्ष नारायण सोमानी ने प्याऊ की पानी टंकी की साफ सफाई की मांग नगर परिषद सीएमओ जगजीवन शर्मा से की। गुरूवार को नगर परिषद वाटर सप्लायर इंचार्ज कोमल सुथार सहित मौके पर पहुंचकर वस्तु स्थिति से अवगत हुए। नगर परिषद कार्यरत प्रकाश धाकड, विक्रम अहीर, घीसालाल सहित कर्मचारियों ने उपरी सतह पर पानी टंकी की साफ सफाई की साथ ही प्याऊ के चारो और दो नल बंद थे उसको नए लगाकर चालू किया। नगर परिषद स्वच्छता अभियान संर्वेक्षण 2022 में ब्रांड एंबेसडर रहे एवं जावद प्रेस क्लब अध्यक्ष नारायण सोमानी ने भी नल की जगहो पर सफाई करके स्वच्छता का संदेश दिया। भाजपा नेता संदीप बाफना, हिरालाल राठौर, अर्जुन चंदेल, रितेश शर्मा, दशरथ राठौर, प्रदीप राठौर सहित आसपास क्षेत्र के दुकानदार, नगरवासियों ने जावद प्रेस क्लब अध्यक्ष नारायण सोमानी, नगर परिषद का आभार माना।

डॉ अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के मामले में कांग्रेस ने ज्ञापन दिया

बदनावर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं नगर कांग्रेस कमेटी ने आज राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी दीपक चौहान को देकर मांग की कि बदनावर में डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्यवाही कर प्रतिमा को शीघ्र दुरुस्त करवाया जाए अथवा नई प्रतिमा स्थापित की जाए। प्रतिमा की सुरक्षा के लिए स्टील की रेलिंग तथा सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाए।

ज्ञापन में मांग की गई कि यदि तत्काल कार्यवाही नहीं की गई तो हम ज्ञापन देने वालों को धरना प्रदर्शन, चक्का जाम करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। ज्ञापन देने वालों में नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश होती, जनपद सदस्य परितोष सिंह राठौर बंजी बना, देवेंद्रसिंह पंवार, निलेश मालवीय, दीपेंद्रसिंह राठौर, संजय भूरिया,भेरूलाल वसुनिया, मोहन जाट, चंदन भूरिया, बद्री लाल पाटीदार, नितेश मालवीय, ऋतिक रील, करण मांगलिया, जगदीश डावर, भारत, बलराम, गोविंद आदि मौजूद थे। जानकारी वरिष्ठ कांग्रेस नेता कैलाश गुप्ता ने दी।

बाबा साहेब अंबेडकर जी की प्रतिमा को सामाजिक तत्व द्वारा खंडित किया गया जिसके विरोध में भीम आर्मी ने ज्ञापन दिया

बदनावर अंबेडकर चौराहा व जेल रोड अंबेडकर मांगलिक भवन में स्थित है संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर जी की प्रतिमा को सामाजिक तत्व द्वारा खंडित किया गया जिसके विरोध में आज भीम आर्मी बदनावर,बहुजन भीम आर्मी,भील सेना,अखिल भारतीय बलाई महासभा के नेतृत्व में आज अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बदनावर, व थाना प्रभारी बदनावर को हो ज्ञापन दिया गया जिसमें मांग की गई थी मूर्ति खंडित करने वाले आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए और कार्रवाई की जाए और खंडित मूर्ति के स्थान पर नई प्रतिमा लगाई जाए यदि जल्द ही निराकरण नहीं किया जाएगा तो सामाजिक संगठन द्वारा जन आंदोलन किया जाएगा जिसकी समस्त जवाबदारी शासन प्रशासन की रहेगी ज्ञापन के दौरान उपस्थित
भीम आर्मी से निलेश मालवीय,दीपक रायकवाल, बहुजन भीम आर्मी से प्रदेश प्रभारी दयाशंकर मालवीय, अखिल भारतीय बलाई महासभा से सुनील चौहान, राकेश नगदीया,विजय मालवीय, अशोकमालवीय, संजय बोरझालिया,राहुल सिहाल, सोहन मकवाना, जितेन्द्र मांगलिया,रितेश रिल, मुकेश बोरझालिया, ओमप्रकाश परमार, विनोद सोलंकी, भेरूलाल डावर,अजीत गणावा, परमानंद सिहाल, रितिक रील,ज्ञापन का वाचन भील सेना तहसील अध्यक्ष भैरूलाल वसुनिया ने किया

लाबरिया में तुलसी विवाह संपन्न हुआ बडे धुम धाम से

धार

आज ग्राम लाबरिया में मारू समाज के श्री ओम प्रकाश मांगीलाल भागीरथ जी टांक द्वारा तुलसी विवाह किया गया विवाह को विधि विधान से और बैंड बाजे के साथ राम मंदिर से भगवान श्री कृष्ण को दूल्हा बना के सजाकर झूले में बारात ले गए और उधर माता तुलसी को सजा सिंगार करके दुल्हन सी सजाया एवं पूरे गांव भोजन प्रसादी रखी गई इसी बिच गांव वालों ने प्रसादी ग्रहण की एवं श्री कृष्ण और तुलसी विवाह का आनंद लिया नाच गान करते हुए बारात लेकर गए लाभार्थि **टांक परिवार को ढेर सारी शुभकामनाएं**

सहज कर्ता एवं सह सहज कर्ता का जिला स्तरीय उन्मुखीकरण डाइट में संपन्न

शाजापुर

शाजापुर। राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार माध्यमिक शाला के शिक्षकों का जनवरी माह का मासिक शैक्षिक संवाद 18 जनवरी शनिवार को जन शिक्षा केन्द्र स्तर पर होना है, उन शिक्षकों के उन्मुखीकरण के लिए संबंधित सभी केन्द्र के जनशिक्षक जो कि सहज कर्ता की भूमिका में रहेगें और प्रत्येक केन्द्र से एक माध्यमिक शिक्षक जो कि सह सहज कर्ता की भूमिका में रहेगें। इन सभी जिलें के समस्त सहज कर्ता एवं सह सहज कर्ता का उन्मुखीकरण डाइट शाजापुर में गुरूवार को निर्धारित विषय पर संपन्न हुआ। इस अवसर पर डाइट प्राचार्य डा श्री बालेन्द्र श्रीवास्तव, वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती अनीता श्रीवास्तव, व्याख्याता श्री महेश भेसानिया, श्री अशोक कारपेंटर, श्री बी एल बैरागी, बीएसी श्री प्रमोद गुप्ता, सहीत समस्त जनशिक्षक सहज कर्ता एवं सह सहज कर्ता उपस्थित रहें। उक्त जानकारी बीएसी श्री प्रमोद गुप्ता द्वारा दी गई।

राजस्व प्रमुख सचिव द्वारा व्हीसी से समीक्षा

राजस्व महाअभियान में विदिशा पांचवे स्थान पर

विदिशा

राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव श्री विवेक पोरवाल ने गुरूवार को राजस्व कार्यो की समीक्षा वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से की। एनआईसी के व्हीसी कक्ष में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, संयुक्त कलेक्टर सुश्री निकिता तिवारी, श्रीमती शशि मिश्रा, श्रीमती मोहिनी शर्मा, अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती कृष्णा रावत मौजूद रहीं। राजस्व कार्यो की प्रदेश स्तरीय समीक्षात्मक बैठक में पावर प्रेजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुत की गई जानकारियों के अनुसार राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत क्रियान्वित बिन्दुओं की अद्यतन प्रगति की जारी प्रदेश स्तरीय रैंकिंग सूची में विदिशा जिला पांचवे स्थान पर है। वीडियो कांफ्रेसिंक समीक्षात्मक बैठक में आधार से आरओआर खसरे की लिंक, नक्शे में बंटाकन, फार्मर रजिस्ट्री, पीएम किसान ईकेवायसी की अद्यतन स्थिति के अलावा राजस्व कार्यो के अन्य बिन्दुओं की गहन समीक्षा की गई है।

महेश्वर में लगाया गया ऋण वितरण शिविर

161 प्रकरणों में 04.13 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया

खरगोन कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री आकाश सिंह के नेतृत्व में 16 जनवरी को जनपद पंचायत सभाग्रह महेश्वर मे ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधि जनपद पंचायत अध्यक्ष अशोक डावर, श्री लक्ष्मण पंडित, जनपद पंचायत के श्री रामलाल बरसेना, अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक ऑफ इण्डिया श्री सुमेर सिंह सोलंकी, जिला प्रबंधक सूक्ष्म वित्त श्री किरण कठाने एवं समस्त शासकीय योजनाओं के विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान शिविर में पात्र हितग्राहियों से बैंकर्स एवं अधिकारियों का सीधा संवाद स्थापित किया गया। हितग्राहियों द्वारा बैंकों में छोटे-बडें व्यवसाय स्थापित करने के लिए प्रकरण लगाए गए थे। उन प्रकरणों में ऋण की स्वीकृति व वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में 161 प्रकरणों में 04 करोड़ 13 लाख 38 हजार रुपये का ऋण वितरण किया गया। जबकि 05 करोड़ 54 लाख 37 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री किरण कठाने व आभार विकासखण्ड प्रबंधक श्री अमित चौहान ने किया। कार्यक्रम में श्री मनीष खेडे, श्री दिनेश मोर्य, श्री महेश भँवर उपस्थित रहे।

किसी भी तहसील या ब्लॉक या गांव का परिसीमन करने से पहले उसकी भौगोलिक स्थिति देखी जाएगी - मुकेश शुक्ला

नर्मदापुरम

प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की प्रदेश की पहली बैठक नर्मदापुरम जिले में आयोजित हुई कोई भी नई तहसील ब्लाक ग्राम पंचायत बनाते समय या उसकी सीमा जिले मैं शामिल करने से पहले उस स्थान की भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या, स्ट्रक्चर मूलभूत सुविधाओं का होना भी आवश्यक होगा। प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के कार्य करने की पद्धति का निर्धारण कार्य क्षेत्र लक्ष्य टर्म्स ऑफ रिफरेंस आदि की जानकारी देने के लिए गुरुवार को प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की प्रदेश की पहली बैठक आयोग के अध्यक्ष श्री मुकेश शुक्ला की अध्यक्षता में नर्मदापुरम जिले में आयोजित की गई। कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित बैठक में प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सचिव श्री अक्षय सिंह, नर्मदा पुरम संभाग कमिश्नर श्री के जी तिवारी, कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, उपायुक्त राजस्व श्री गणेश जायसवाल, अपर कलेक्टर श्री डीके सिंह एवं समस्त अनुविभागीय राजस्व अधिकारी एवं तहसीलदार उपस्थित थे। अध्यक्ष श्री मुकेश शुक्ला ने बैठक में सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी एवं तहसीलदार को निर्देश दिए कि वह किसी भी प्रशासनिक इकाई के पुनर्गठन से पहले जनप्रतिनिधियों एवं जनता से फीडबैक लेकर आपस में समन्वय स्थापित करके राजस्व सीमाओं के पुनर्गठन का प्रस्ताव कलेक्टर को प्रेषित करें। कलेक्टर सभी प्रस्ताव पर विचार करके अपने सुझाव एवं निर्णय से आयोग को अवगत कराएंगे। श्री शुक्ला ने बताया कि जनपद एवं तहसील की सीमाओं का परिसीमन किया जाना है लेकिन यदि परिसीमन की आवश्यकता नहीं है तो परिसीमन नहीं भी किया जाएगा। परिसीमन को और अधिक जन्मोमुखी बनाया जाएगा ताकि इसके आधार पर जन अपेक्षा के आधार पर ज्यादा से ज्यादा जनता को सुविधा दिलाई जा सके। नवीन प्रशासनिक इकाई के लिए मार्गदर्शन सिद्धांत बनाए गए हैं। वर्तमान में ऐसे कई तहसील एवं ब्लॉक तथा ग्राम पंचायत है जो जिला मुख्यालय से दूर है लेकिन दूसरे अन्य जिले के समीप है ।ऐसे प्रशासनिक इकाइयों में चेंज करने एवं परिवर्तन करने की आवश्यकता है। गत माह मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में तत संबंध में परिसीमन के संबंध में बैठक भी आयोजित की गई थी। प्रत्येक जिले के कलेक्टर को जनप्रतिनिधि एवं आम जनता सुझाव देगी कि कैसे सीमाओ का निर्धारण कहां पर किस मान किया जाना उचित रहेगा। कलेक्टर उसे अपडेट करेंगे। प्रश्नावली को पब्लिक डोमेन में लाकर उसके जवाब तैयार कर सुझाव दिये जाएगे जिसकी समीक्षा राज्य स्तर पर की जाएगी। श्री शुक्ल ने कहा कि यदि भौगोलिक गठन चाहते हैं तो बताना पड़ेगा कि कुछ तहसील एवं गांव तहसील या जिले से दूर है या अन्य किसी दूसरे जिले के करीब है। दूरी के मापदंड बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि नए परिसीमन में यह आवश्यक देखा जाएगा की जनसंख्या का संतुलन हो यदि हम कोई जिला बना रहे हैं तो वहां यदि जनसंख्या कम है एवं सुविधाएं नहीं है तो इसका कोई लाभ नहीं है, वहीं कई बार कुछ जगह पर जनसंख्या ज्यादा रहती है एवं औद्योगिक विकास भी है लेकिन हम उसे तहसील या जिला का दर्जा नहीं दे सके हैं या घोषित नहीं कर सके हैं तो नए प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन में यह सभी बातें शामिल की जाएगी। साथ ही स्थानीय भाषा संस्कृति को आवश्यक रूप से संरक्षण भी दिया जाएगा। श्री शुक्ला ने कहा कि यदि किसी स्थान को हम मुख्यालय बनाना चाहते हैं तो जनसंख्या, औद्योगिक क्षेत्र एवं भौगोलिक दूरी उसकी अन्य क्षेत्र से ना हो इसका अनिवार्य रूप से ध्यान रखा जाएगा। इसके साथ ही प्रस्तावित इकाइयों को सुविधा की दृष्टि से पुनर्गठन करने या गठन घटाने के संबंध में भी आवश्यक सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में प्रदेश संरचना का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। श्री शुक्ल ने कहा कि यदि किसी जिले की सीमा की तहसील या ग्राम को किसी दूसरे जिले की सीमा में मिलना चाहते हैं तो उसके लिए संभाग कमिश्नर सुझाव देंगे और यदि जिले के अंदर तहसील में कोई परिवर्तन करना चाहते हैं तो इसका सुझाव कलेक्टर देंगे। अध्यक्ष श्री शुक्ल ने स्पष्ट किया कि ग्राम स्तर पंचायत स्तर, राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर, तहसील स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें किसी भी प्रशासनिक इकाई का कोई युक्ति युक्तिकरण, विलोपन, नवीन सर्जन किया जाना है तो उसका उचित प्रस्ताव तैयार कर प्रश्नावली को अद्यतन कर पृथक से शामिल कर कलेक्टर को भिजवाए जा सकेंगे। जिले की समस्त तहसीलों एवं अनु विभागों की बैठक के उपरांत कलेक्टर अपने स्तर पर अधीनस्थों से प्राप्त प्रस्ताव पर युक्ति युक्तिकरण पर वृहद चर्चा कर उस प्रस्ताव को अंतिम रूप से तैयार कर एवं प्रश्नावली को अदयतन कर आयोग को भेजेंगे। श्री शुक्ल ने बताया कि कलेक्टर अपने प्रस्ताव तैयार करते समय जनप्रतिनिधि की राय भी लेंगे एवं पूर्व में किसी प्रशासनिक इकाई के युक्ति युक्तिकरण में यदि कोई आवेदन या मांग पत्र आया हो तो जिला स्तर पर पेंडिंग हो तो उसे भी कलेक्टर विचार में लेंगे। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि यदि परिवर्तन या युक्ति युक्ति करण विलोपन, नवीन सृजन, आवश्यक नहीं है तो ना किया जाए लेकिन यदि कोई मांग इस संबंध में पूर्व से जन सामान्य की ओर से चली आ रही है तो उस पर विचार कर उसे मांग का परीक्षण आवश्यक कर लिया जाए। जिला स्तर पर सभी विभागों के जिलाधिकारी से भी चर्चा की जाए ताकि उनके विभागों की कार्य प्रणाली का भी मत आ सके। इन प्रस्ताव में मानव संसाधन की दक्षता या प्रशिक्षण या संस्थागत ढांचे की आवश्यकताओं पर भी विचार किया जाएगा। कलेक्टर समीक्षा उपरांत जिले का एक अंतिम प्रस्ताव बनाकर प्रश्नावली को अदयतन करेंगे।

टर्म्स आफ रेफरेंस 1 और टर्म्स ऑफ़ रेफरेंस 3 के संबंध में जो प्रश्नावली तैयार की गई है

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान शिविर में समस्या लेकर आए नागरिकों को विधायक ने प्रदान किए

नर्मदापुरम मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान शिविर के प्रथम चरण में 1441 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 1337 आवेदनों का निराकरण हो चुका है मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत नगरपालिका परिषद इटारसी ने आज पुरानी इटारसी वार्ड क्रमांक 34 में शिविर का आयोजन किया। यहां शिविर में नागरिकों की समस्या सुनने के लिए विधायक डॉ सीतासरन शर्मा भी पहुंचे। उनके साथ नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, सीएमओ श्रीमती रितु मेहरा, जयकिशोर चौधरी, पार्षद श्रीमती अंजली कलोसिया पार्षद श्रीमती राजे श्री धुरिया, मयंक मेहतो, राहुल चौरे, पार्षद प्रतिनिधि रमेश धूरिया सहित अन्य मौजूद थे। शिविर में विधायक डॉ शर्मा ने नवाचार करते हुए यहां आने वाले नागरिकों को पौधे उपहार में दिए। जिनकी समस्या का तत्काल निराकरण किया उन्हें और जिनकी समस्या निराकृत करने का आश्वासन दिया है उन्हें भी पौधे प्रदान किए गए। पौधे मिलने पर नागरिकों ने विधायक डॉ सीतासरन शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित किया। विधायक डॉ शर्मा ने शिविर में पहुंची जनता से चर्चा की और सीएमओ से पूछा कि प्रथम चरण में जो आवेदन आए हैं उनका क्या हुआ। यहां सीएमओ रितु मेहरा ने उन्हें बताया कि जितने भी आवेदन आए थे, उनमें से 92.5 प्रतिशत का निराकरण कर दिया गया है। सीएमओ ने बताया कि अब जल्दी ही द्वितीय चरण में शिविर लगाया जाएगा। डॉ शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रत्येक नगरपालिका के वार्डों में शिविर लगाकर सरकार की मंशा जाहिर कर दी है कि सरकार अब जनता के द्वार खुद आएगी। उन्होंने कहा कि आप सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने मिलकर अच्छा काम किया इसके लिए धन्यवाद।

जनकल्याण शिविर के प्रथम चरण में आए आवेदन की स्थिति- मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान शिविर के प्रथम चरण में 1441 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से 1337 आवेदनों का निरारकण किया गया निराकरण का प्रतिशत 92.4 प्रतिशत हो चुका है। शिविर में आयुष्मान भारत, श्रमिक कार्ड, पेंशन, प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना, पीएम स्वनिधि सहित अन्य चीजों के लिए आवेदन पहुंचे थे। मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर में आज गुरूवार को विधायक डॉ शर्मा द्वारा हित लाभ वितरण में वृद्धावस्था पेंशन के 12 प्रकरण, राशन पात्रता पर्ची 4, पीएम स्वानिधि योजना से 5, लाड़ली लक्ष्मी योजना 3, भवन निर्माण श्रमिक पंजीयन कार्ड 3 वितरित किए।

9 से ज्यादा राज्यों में कोहरे का अलर्ट

हिमाचल में 200 सड़कें बंद, दिल्ली में 117 फ्लाइट्स लेट

दिल्ली देश के कई हिस्सों में सर्दी का कहर जारी है। बर्फबारी, बारिश और कोहरे ने जनजीवन पर गहरा असर डाला है। दिल्ली में 117 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट हुईं और 10 कैंसिल करनी पड़ीं। 27 ट्रेनें भी देरी से पहुंचीं। वहीं, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में बर्फबारी ने तापमान गिरा दिया। देश के 9 से ज्यादा राज्यों में कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। इनमें दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड शामिल हैं। IMD ने अगले कुछ दिनों तक घने कोहरे और सर्द हवाओं का अलर्ट जारी किया है। आइए जानते हैं देश के किस राज्य में कैसा है मौसम का हाल

दिल्ली- कोहरे की वजह 117 फ्लाइट्स लेट राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोहरे ने आज सुबह विजिबिलिटी घटा दी। 117 फ्लाइट्स लेट हुईं, जबकि 10 रद्द करनी पड़ीं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 27 ट्रेनें देर से पहुंचीं।शहर का न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। IMD ने अगले दो दिनों तक कोहरा छाए रहने और तापमान में और गिरावट का पूर्वानुमान जारी किया है। कोहरे की वजह से सड़कों पर भी ट्रैफिक धीमा रहा। मौसम विभाग (IMD) ने अगले 48 घंटों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। घने कोहरे और बर्फीली हवाओं के कारण शीतलहर की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश- बर्फबारी से 200 सड़कें बंद हिमाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में भारी बर्फबारी हुई। शिमला, मनाली और कुफरी जैसे इलाकों में तापमान शून्य से नीचे चला गया। 3 नेशनल हाईवे समेत 200 सड़कें बंद हो गईं। शिमला में 56 सड़कों पर यातायात प्रभावित है। मौसम विभाग ने यहां अगले 48 घंटों तक बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है। शीतलहर के कारण जनजीवन प्रभावित है। शिमला का न्यूनतम तापमान 6.4°C, मनाली में 1.2°C, और धर्मशाला में 4°C दर्ज किया गया है। फिलहाल राज्य में कोहरे का कोई अलर्ट नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 48 घंटें में शिमला में अधिकतम तापमान 14°C और न्यूनतम 3°C रहने की संभावना है, जबकि मनाली में अधिकतम -8°C और न्यूनतम -14°C तक तापमान रह सकता है। IMD ने शीतलहर की स्थिति को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

जम्मू-कश्मीर- 6 जिलों में कोहरे का अलर्ट जारी जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग, पुंछ और डोडा जिलों में बर्फबारी के कारण ठंड बढ़ गई है। श्रीनगर का न्यूनतम तापमान -3एष्ट रिकॉर्ड किया गया। कोहरे के कारण हवाई और सड़क यातायात प्रभावित हुआ। IMD ने अगले दो दिनों में और बर्फबारी की संभावना जताई है। जम्मू-कश्मीर में आज का मौसम ठंडा और बादलों से भरा रहेगा। जम्मू शहर का न्यूनतम तापमान 8एष्ट और श्रीनगर का 0°C के आसपास रहने की संभावना है। 6 जिलों में कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है, जिनमें जम्मू, सांबा, कठुआ, उधमपुर, रियासी और डोडा शामिल हैं। कोहरे के कारण जम्मू एयरपोर्ट पर 5 फ्लाइट्स और जम्मू रेलवे स्टेशन पर 3 ट्रेनें लेट हुई हैं। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने अगले 48 घंटों में बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है, जिससे तापमान में गिरावट हो सकती है

उत्तर प्रदेश- 50 से ज्यादा जिलों में कोहरा, बारिश का अलर्ट उत्तर प्रदेश में पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवाओं ने ठंड बढ़ा दी है। लखनऊ, वाराणसी और कानपुर समेत 55 जिलों में घने कोहरे का असर दिखा। विजिबिलिटी 100 मीटर तक रही। IMD ने 15 से ज्यादा जिलों में बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। गोरखपुर में तापमान 5°C दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश में आज का मौसम ठंडा और बादलों से भरा रहेगा। लखनऊ का न्यूनतम तापमान 9°C, आगरा का 7°C और वाराणसी का 8°C है। कोहरे का अलर्ट 8 जिलों में जारी किया गया है, जिनमें लखनऊ, कानपुर, आगरा, वाराणसी, गोरखपुर, बरेली, मेरठ और झांसी शामिल हैं। कोहरे के कारण लखनऊ एयरपोर्ट पर 4 फ्लाइट्स और कानपुर रेलवे स्टेशन पर 5 ट्रेनें लेट हुई हैं। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने अगले कुछ दिनों में बारिश की संभावना जताई है, जिससे ठंड और बढ़ सकती है।

बिहार- 6 जिलों में कोहरे का अलर्ट जारी बिहार में आज, 17 जनवरी 2025 को मौसम ठंडा और धुंधला रहेगा। पटना में 10°C, गया में 9°C, भागलपुर में 8°C और लालगंज में 15°C तापमान दर्ज किया गया। बीते 24 घंटे में बिहार का सबसे ठंडा शहर सहरसा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 8.5°C दर्ज किया गया। सहरसा के अगवानपुर क्षेत्र ने इस ठंड में सबसे कम तापमान का रिकॉर्ड बनाया है। । 6 जिलों में कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है, जिनमें पटना, गया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और दरभंगा शामिल हैं। कोहरे के कारण पटना एयरपोर्ट पर 2 फ्लाइट्स और मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर 3 ट्रेनें लेट हुई हैं। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने अगले कुछ दिनों में ठंड बढ़ने और बारिश की संभावना जताई है।

मध्य प्रदेश- 5 जिलों में कोहरे का अलर्ट जारी मध्य प्रदेश के ग्वालियर, भोपाल और इंदौर में ठंडी हवाएं चल रही हैं। ग्वालियर का न्यूनतम तापमान 6°C रहा। कोहरे के कारण कई जिलों में विजिबिलिटी प्रभावित हुई। IMD ने अगले दो दिनों तक शीतलहर और कोहरे का अलर्ट जारी किया है। पचमढ़ी और नवगांव में सबसे सर्द रात रही।मध्य प्रदेश में आज का मौसम ठंडा और बादलों से भरा रहेगा। भोपाल का न्यूनतम तापमान 15°C, इंदौर का 16.6°C, और ग्वालियर का 10.3°C है। 5 जिलों में कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है, जिनमें ग्वालियर, चंबल, सागर, नर्मदापुरम और रीवा शामिल हैं। कोहरे के कारण इंदौर एयरपोर्ट पर 3 फ्लाइट्स और जबलपुर रेलवे स्टेशन पर 4 ट्रेनें लेट हुई हैं। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने अगले कुछ दिनों में बारिश की संभावना जताई है, जिससे ठंड और बढ़ सकती है।

राजस्थान- शीतलहर और बारिश की संभावना राजस्थान में मावठ और शीतलहर का असर जारी है। जयपुर, अलवर और भरतपुर में कोहरे की वजह से विजिबिलिटी प्रभावित हुई। पश्चिमी विक्षोभ के कारण 22 जनवरी से उत्तर-पूर्वी राजस्थान में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक ठंड बढ़ने की चेतावनी दी है।राजस्थान में आज का मौसम ठंडा और बादलों से भरा रहेगा। जयपुर का न्यूनतम तापमान 14°C, कोटा का 12°C और उदयपुर का 11°C है। कोहरे का अलर्ट 4 जिलों में जारी किया गया है, जिनमें जयपुर, अलवर, सवाई माधोपुर और झुंझुनू शामिल हैं। कोहरे के कारण जयपुर एयरपोर्ट पर 2 फ्लाइट्स और झुंझुनू रेलवे स्टेशन पर 3 ट्रेनें लेट हुई हैं। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने अगले कुछ दिनों में बारिश की संभावना जताई है, जिससे ठंड बढ़ने की आशंका है।

पंजाब- 9 जिलों में कोहरे का अलर्ट पंजाब में कोहरे का अलर्ट 9 जिलों में जारी किया गया है। ये जिले हैं- अमृतसर, लुधियाना, जालंधर, कपूरथला, फाजिल्का, मोगा, पटियाला, °Cनगर और रोपड़ हैं। पंजाब में आज का मौसम ठंडा और धुंधला रहेगा। अमृतसर का न्यूनतम तापमान 7°C, लुधियाना का 8एष्ट और पटियाला का 6°C है। कोहरे का अलर्ट 6 जिलों में जारी किया गया है, जिनमें अमृतसर, लुधियाना, फाजिल्का, जालंधर, कपूरथला और मोगा शामिल हैं। कोहरे के कारण अमृतसर एयरपोर्ट पर 3 फ्लाइट्स और लुधियाना रेलवे स्टेशन पर 4 ट्रेनें लेट हुई हैं। भारतीय मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में बारिश की संभावना जताई है, जिससे ठंड बढ़ने की आशंका है।

हरियाणा- 2 जिलों में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट हरियाणा और पंजाब के 12 जिलों में IMD ने घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अमृतसर, हिसार और करनाल में विजिबिलिटी लगभग शून्य रही। फरीदाबाद और गुरुग्राम में सुबह ठंडी हवाएं चलीं। आने वाले दिनों में भी ठंड का असर जारी रहेगा। हरियाणा में कोहरे का अलर्ट 8 जिलों में जारी किया गया है। इनमें अंबाला, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, सोनीपत, झज्जर, रोहतक, फतेहाबाद और हिसार शामिल हैंहरियाणा में आज का मौसम ठंडा और बादलों से भरा रहेगा। चंडीगढ़ का न्यूनतम तापमान 10.6°C, अंबाला का 10°C और फरीदाबाद का 11°C है। कोहरे का अलर्ट 6 जिलों में जारी किया गया है, जिनमें अंबाला, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, सोनीपत, झज्जर और रोहतक शामिल हैं। कोहरे के कारण चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर 2 फ्लाइट्स और हिसार रेलवे स्टेशन पर 3 ट्रेनें लेट हुई हैं। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने अगले कुछ दिनों में बारिश की संभावना जताई है, जिससे ठंड बढ़ने की आशंका है।

छत्तीसगढ़ रायपुर एयरपोर्ट पर 2 फ्लाइट्स लेट छत्तीसगढ़ में कोहरे का अलर्ट 4 जिलों में जारी किया गया है। ये जिले हैं- रायपुर, दुर्ग, बलौदाबाजार और महासमुंद।छत्तीसगढ़ में आज का मौसम ठंडा और बादलों से भरा रहेगा। रायपुर का न्यूनतम तापमान 16°C बिलासपुर का 15°C और दुर्ग का 17°C है। कोहरे का अलर्ट जिन 4 जिलों में जारी किया गया है, जिनमें रायपुर, दुर्ग, बलौदाबाजार और महासमुंद शामिल हैं। कोहरे के कारण रायपुर एयरपोर्ट पर 2 फ्लाइट्स और बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर 3 ट्रेनें लेट हुई हैं। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने अगले कुछ दिनों में हल्की बारिश की संभावना जताई है, जिससे ठंड बढ़ने की आशंका है।

नार्थईस्ट अगले तीन दिनों तक ठंड और बारिश की संभावना असम, मेघालय और त्रिपुरा में ठंड बढ़ गई है। गुवाहाटी में तापमान 8एष्ट तक पहुंच गया। कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम हुई है। IMD ने अगले तीन दिनों तक ठंड और बारिश की संभावना जताई है। नार्थईस्ट में आज का मौसम ठंडा और धुंधला रहेगा। गुवाहाटी का न्यूनतम तापमान 10°C, इम्फाल का 9°C और शिलांग का 7°C है। कोहरे का अलर्ट गुवाहाटी, नगालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा और मेघालय शामिल हैं। कोहरे के कारण गुवाहाटी एयरपोर्ट पर 3 फ्लाइट्स और शिलांग रेलवे स्टेशन पर 2 ट्रेनें लेट हुई हैं। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने अगले कुछ दिनों में हल्की बारिश की संभावना जताई है

दक्षिण भारत तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में बारिश के आसार तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में बारिश की संभावना है। चेन्नई, कोच्चि और कराईकल में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। IMD ने भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। दक्षिण भारत में आज का मौसम ठंडा और बादलों से भरा रहेगा। चेन्नई का न्यूनतम तापमान 20°C, बेंगलुरु का 18°C और हैदराबाद का 19°C है। कोहरे का अलर्ट कर्नाटक के 3 जिलों में जारी किया गया है, जिनमें बेंगलुरु, तुमकुर और चित्तूर शामिल हैं। कोहरे के कारण बेंगलुरु एयरपोर्ट पर 2 फ्लाइट्स और हैदराबाद रेलवे स्टेशन पर 3 ट्रेनें लेट हुई हैं। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने अगले कुछ दिनों में हल्की बारिश की संभावना जताई है, जिससे ठंड बढ़ने की आशंका है।

फुटपाथ पर सो रहे मरीजों से मिले

कहा- केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों नाकाम

दिल्ली गुरुवार देर रात सांसद राहुल गांधी दिल्ली AIIMS पहुंचे। वहां उन्होंने फुटपाथ पर सो रहे मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात की। राहुल ने उनका हालचाल जाना और उनकी परेशानियां सुनीं। इस दौरे का मुख्य मकसद इलाज के लिए संघर्ष कर रहे इन लोगों की तकलीफों को समझना और उजागर करना था। सर्दी के बावजूद ये लोग इलाज की उम्मीद में खुले आसमान के नीचे रातें बिता रहे हैं। राहुल के इस कदम को संवेदनशीलता के नजरिये से देखा जा रहा है।

इलाज की आस में फुटपाथ पर सो रहे लोग AIIMS के बाहर राहुल गांधी नेउन लोगों से भी मुलाकात की, जो इलाज के लिए दूर-दराज के इलाकों से आए थे। ये लोग फुटपाथ, सड़कों और सबवे में सोने को मजबूर हैं। सर्द रातों और असुविधाओं के बीच इलाज के लिए इंतजार कर रहे हैं। इन मरीजों को ठंडी जमीन पर सोना पड़ रहा है। इन मरीजों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों को इलाज के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। खाने-पीने की कमी इन मरीजों की परेशानियों को और बढ़ा रही है।

केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों असंवेदनशील राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा कि केंद्र और दिल्ली सरकार मरीजों के प्रति असंवेदनशील बनी हुई है। इलाज के लिए लोग महीनों से इंतजार कर रहे हैं। ठिठुरती सर्दी में खुले में सो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया है। बीमारी, ठंड और भूख के बीच ये लोग केवल उम्मीद के सहारे हैं। राहुल ने इसे जनता के प्रति सरकार की नाकामी करार दिया। उनकी इस पोस्ट को लोगों से व्यापक समर्थन मिला।

कांग्रेस ने भी सरकार पर निशाना साधा कांग्रेस पार्टी ने भी इस मामले को लेकर सरकार पर निशाना साधा। पार्टी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि AIIMS के बाहर का नजारा सरकारी असंवेदनशीलता की मिसाल है। मरीजों और उनके परिवारों को इलाज के लिए सड़कों पर सोना पड़ रहा है। ठंड और असुविधा ने उनकी परेशानियों को बढ़ा दिया है। पार्टी ने केंद्र और दिल्ली सरकार पर जनता की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की हालत सुधारने के लिए तुरंत कदम उठाए जाने चाहिए।

इंस्टाग्राम पोस्ट में राहुल गांधी ने क्या कहा राहुल गांधी ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा कि उन्होंन AIIMS के बाहर मरीजों से मुलाकात की। ये लोग इलाज की आस में दूर-दूर से दिल्ली आए हैं। ठंडी जमीन, भूख और असुविधाओं के बीच भी उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी है। उन्होंने लिखा कि सरकार ने इनकी परेशानियों को नजरअंदाज किया है। केंद्र और राज्य सरकारें इस मामले में पूरी तरह विफल रही हैं। राहुल ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की जरूरत पर जोर दिया। उनकी इस पोस्ट ने लोगों का ध्यान खींचा।

दिल्ली चुनाव के लिए नामांकन का आखिरी दिन आज

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन करने का आज आखिरी दिन है। अभी तक दिल्ली की सीएम आतिशी, AAP संयोजक अरविंद केजरीवाल , नई दिल्ली विधानसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा, जंगपुरा सीट से आप उम्मीदवाद मनीष सिसोदिया, करावल नगर विधानसभा सीट से कपिल मिश्रा, ग्रेटर कैलाश सीट से आप उम्मीदवार सौरभ भारद्वाज समेत 841 उम्मीदवारों ने पर्चा दाखिल किया है। नोमिनेशन से जुड़े ताजा अपडेट के लिए हरिभूमि के साथ जुड़े रहें।

दिल्ली में पांच फरवरी को मतदान होगा और आठ फरवरी को रिजल्ट घोषित किया जाएगा। आगामी चुनावों को लेकर आम आदमी पार्टी, बीजेपी और कांग्रेस ने सभी 70 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। इन दिनों पार्टियों के अलावा भी कई राजनितिक दलों के उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। शुक्रवार को नोमिनेशन करने का आखिरी दिन है। उम्मीदवारों के नामांकन की जांच 18 फरवरी को चुनाव आयोग करेगा। इसके बाद 20 जनवरी तक उम्मीदवार अपने नामांकन वापस ले सकते हैं।

तो दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को 500 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किया है। जिसके चलते 70 विधानसभा सीटों पर नामांकन करने वाले उम्मीदवारों की कुल संख्या 841 हो गई है।

बीजेपी आज जारी करेगी अपना घोषणा पत्र इसी बीच बीजेपी दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर अपना संकल्प पत्र जारी करेगी। यह संकल्प पत्र करीब 2 बजे जारी किया जाएगा। इसे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जारी करेंगे। इस दौरान बीजेपी कई बड़ी घोषणाएं भी कर सकती है। सभी की नजरें बीजेपी के घोषणा पत्र पर है।

सैटेलाइट तस्वीरों में दिखा इस्राइल-हमास युद्ध का खौफनाक मंजर, मलबे में तब्दील हुई इमारतें

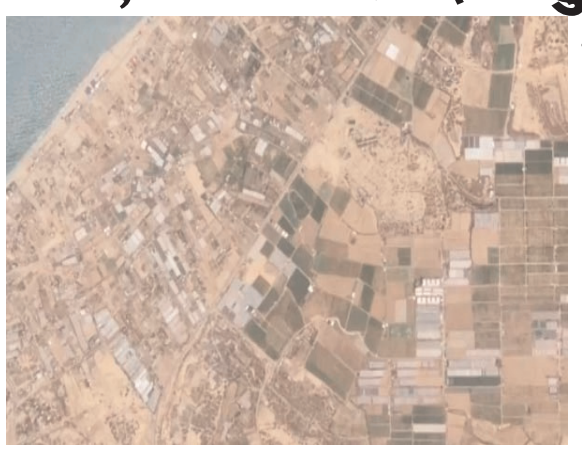

गाजा। पश्चिम एशिया में 7 अक्तूबर 2023 को इस्राइल पर हमास के हमले के साथ शुरू हुए संघर्ष ने गाजा पट्टी को पूरी तरह से तबाह कर के रख दिया। इस जंग में हजारों लोगों की जान चली गई वहीं लाखों लोगों को अपना घर छोड़कर भागना पड़ा। हालांकि अब इस्राइल-हमास के युद्ध विराम समझौते के बाद अब पश्चिम एशिया में शांति बहाल होने की आशा है। कारण है कि अमेरिका, मिस्र, कतर जैसे देशों के मध्यस्थता और लगातार प्रयास के बाद इस्राइल-हमास युद्ध विराम समझौते पर सहमत हुए है।

इसी बीच सैटेलाइट के माध्यम से ली गई गाजा पट्टी की तबाही की तस्वीरें सामने आ रही है। इसमें चारो ओर धुंआ ही धुआं, ध्वस्त इमारते जिससे साफ पता चलता है कि इस्राइल-हमास के बीच के इस संघर्ष में गाजा पट्टी ने क्या खोया है। इस्राइल-हमास युद्ध ने गाजा पट्टी को पूरी तरह तबाह कर दिया है। सैटेलाइट तस्वीरें इस विनाश को दिखाती हैं, खासकर उन इलाकों में जहां पत्रकारों और अन्य लोगों का प्रवेश बंद कर दिया गया है।

हरिकोटा में बनेगा तीसरा सैलेलाइट लॉन्च पैड, मोदी कैबिनेट ने दी मंजूरी, 3,984.86 करोड़ रुपए होगा

दिल्लीप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र पर तीसरे लॉन्च पैड (थर्ड लॉन्च पैड) स्थापित करने की मंजूरी दे दी। गुरुवार (16 जनवरी) को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना में कुल लागत 3,985 करोड़ रुपए आएगी।

यह परियोजना भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल को सपोर्ट देने के साथ-साथ भविष्य के मानव अंतरिक्ष यान और अन्वेषण अभियानों के लिए भारत की क्षमताओं को और सुदृढ़ करेगी।

तीसरा लॉन्च पैड क्या करेगा काम तीसरा लॉन्च पैड अत्याधुनिक और बहुपयोगी प्रणाली से लैस होगा, जो NGLV, LVM3, और अन्य भारी वाहनों के लिए सक्षम होगा। इसका उद्देश्य मौजूदा दूसरे लॉन्च पैड का बैकअप तैयार करना और लॉन्च की आवृत्ति को बढ़ाना है। इस परियोजना में प्राइवेट इंडस्ट्रीज की अधिक भागीदारी होगी, और यह श्रीहरिकोटा के मौजूदा बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर का पूरा उपयोग करेगी।

अगले 48 महीनों में बनकर तैयार होगा लॉन्च पैड इस परियोजना का कुल बजट 3,984.86 करोड़ है, जिसमें लॉन्च पैड और सहायक इंफ्रास्टक्चर का निर्माण शामिल है। इसे राष्ट्रीय महत्व की परियोजना के रूप में देखा जा रहा है। अगले 48 महीनों में इसका निर्माण पूरा कर लिया जाएगा, जो भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की बढ़ती मांगों को अगले 25-30 वर्षों तक पूरा करेगा।

भारत वर्तमान में श्रीहरिकोटा में दो लॉन्च पैड का उपयोग करता है पहला लॉन्च पैड 30 साल पहले बनाया गया था। PSLV और SSLV के प्रमुख अभियानों के लिए उपयोगी।

दूसरा लॉन्च पैड लगभग दो दशक से सक्रिय, GSLV, LVMx, और चंद्रयान-3 जैसी परियोजनाओं के लिए उपयोग किया जा रहा है। दूसरा लॉन्च पैड भारत के मानव अंतरिक्ष यान कार्यक्रम गगनयान के लिए भी तैयार किया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569